RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 252 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 31 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

प्राकृतिक आपदाओं में हर पीड़ित का दर्द हम सबका दर्द : प्रधानमंत्री

बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही पर प्रधानमंत्री का संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए आज देशवासियों से संवाद किया। उन्होंने मानसून के इस मौसम में प्राकृतिक आपदाओं बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुई तबाही का जिक्र किया और कहा कि हर पीड़ित का दर्द हम सभी का दर्द है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजन खोए, उनका दर्द हम सबका दर्द है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में कई घर उजड़ गए, खेत डूब गए, पुल और सड़कें बह गईं, और लोगों का जीवन संकट में फंस गया।

पीएम मोदी ने कहा कि जहां भी संकट आया, वहां के लोगों को बचाने के लिए एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के जवान और अन्य सुरक्षा बल दिन-रात जुटे रहे। राहत कार्यों में आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया गया, जैसे कि थर्मल

कैमरा, लाइव डिटेक्टर, खोजी कुत्ते और ड्रोन। इन संसाधनों की मदद से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों की गति बढ़ाई गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देशवासियों को चाहिए कि वे संकट के समय धैर्य और संयम बनाए रखें और जरूरतमंदों की हर संभव मदद करें।

पीएम मोदी ने कहा, बाढ़ और बारिश की इस तबाही के बीच जम्मू-कश्मीर ने दो बहुत खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इन पर यादा लोगों का ध्यान नहीं गया, लेकिन जब आप उन उपलब्धियों के बारे में जानेंगे तो आपको बहुत खुशी होगी। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा के एक स्टेडियम में रिकॉर्ड संख्या में लोग इकट्ठा हुए। यहां पुलवामा का पहला डे-नाइट क्रिकेट मैच खेला गया। पहले ये होना असंभव था, लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है। ये मैच रॉयल प्रीमियर लीग का हिस्सा है, जिसमें जम्मू-कश्मीर की अलग-अलग टीमें खेल रही हैं। इतने सारे लोग, खासकर युवा, पुलवामा में रात के समय, हजारों की तादाद में क्रिकेट का आनंद लेते हुए ये नजारा वाकई देखने लायक था।

उन्होंने कहा, देश में पहला खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल और वो भी श्रीनगर की डल झील पर हुआ। सचमुच, ऐसा उत्सव आयोजित करने के लिए ये कितनी खास जगह है। इसका उद्देश्य है जम्मू-कश्मीर में वाटर स्पोर्ट्स को और लोकप्रिय बनाना। इसमें पूरे भारत से 800 से अधिक एथेलीट्स ने हिस्सा लिया। महिला एथेलीट्स भी पीछे नहीं रही उनकी भागीदारी भी लगभग पुरुषों के बराबर थी। मैं उन सभी खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूं, जिन्होंने इसमें भाग लिया। विशेष बधाई मध्य प्रदेश को, जिसने सबसे यादा मेडल जीते, उसके बाद हरियाणा और ओडिशा का स्थान रहा। जम्मू-कश्मीर की सरकार और वहां की जनता की आत्मीयता और मेहमान नवाजी की मैं भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूं। इस दौरान पीएम मोदी ने श्रीनगर की डल झील पर हुए खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में हिस्सा लेने वाले दो खिलाड़ियों ओडिशा की रश्मिता साहू और श्रीनगर के मोहसिन अली के साथ बातचीत की।

उन्होंने कहा कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना, देश की एकता, देश के विकास के लिए बहुत जरूरी है और निश्चित तौर पर खेल इसमें बड़ी भूमिका निभाते हैं। इसलिए ही तो मैं कहता हूं, जो खेलता है, वो खिलता है। हमारा देश भी जितने टूर्नामेंट खेलेगा, उतना खिलेगा। आप दोनों खिलाड़ियों को आपके साथियों को मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

टैरिफ वॉर के बीच मोदी जिनपिंग की अहम बैठक

10 महीने में पहली द्विपक्षीय वार्ता, भारत-चीन संबंध सुधार पर चर्चा

तियानजिन (चीन), एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आज तियानजिन में मुलाकात की। यह करीब 10 महीनों में दोनों नेताओं की पहली द्विपक्षीय बैठक थी। बैठक लगभग 50 से 55 मिनट तक चली।

इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-चीन संबंधों को बेहतर बनाने के मकसद से व्यापक चर्चा की। यह मुलाकात अमेरिका की व्यापार और शुल्क नीतियों के कारण भारत-अमेरिका संबंधों में आई अचानक गिरावट के मद्देनजर भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पीएम मोदी और शी जिनपिंग ने दो दिवसीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात की। चर्चा के लिए मुद्दों की व्यापकता को देखते हुए आधिकारिक सूत्रों ने संकेत दिया है कि दोनों नेता दिन में बाद में फिर से मिल सकते हैं।

दोनों नेताओं की पिछली मुलाकात अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी।

तियानजिन यात्रा से पहले

पीएम मोदी ने कहा कि विश्व की आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए भारत और चीन का मिलकर काम करना आवश्यक है। उन्होंने जापान के योमिउरी शिंबुन को दिए साक्षात्कार में कहा कि भारत और चीन के बीच स्थिर, पूर्वानुमानित और सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

पीएम मोदी की यह यात्रा चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के एक पखवाड़े से भी कम समय बाद हुई है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ वांग यी की व्यापक वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी संबंधों के लिए कई उपायों की घोषणा की थी। इन सुधारों में शामिल हैं सीमा पर शांति बनाए रखना, सीमा व्यापार को फिर से खोलना, जल्द से जल्द सीधी उड़ान सेवाओं को पुनः शुरू करना। पिछले कुछ महीनों में दोनों पक्षों ने अपने संबंधों को पुनः स्थापित करने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं, जो जून 2020 में गलवां घाटी की घातक झड़पों के बाद तनावपूर्ण हो गए थे।

निठारी में भाजपा नेताओं ने सुनी पीएम मोदी की 'मन की बात'

नोएडा (चेतना मंच)। आज निठारी में महाराणा प्रताप मंडल के तहत बूथ नंबर 269 में भाजपा के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' सुना।

इस अवसर पर नोएडा महानगर के पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता, मंडल प्रतिनिधि नवीन मित्तल, मंडल अध्यक्ष दीनबंधु, और अन्य वरिष्ठ नेताओं रवि यादव, गोपाल गौड़, अहसान खान, संजय बेसला सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेश को ध्यान से सुना और इसे अपने क्षेत्रों में जनता तक पहुँचाने का संकल्प लिया। इस प्रकार के कार्यक्रम पार्टी के कार्यकर्ताओं को जोड़ने और उन्हें जागरूक बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित हो रहे हैं।

यूपी के 26 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

पश्चिम यूपी और बुंदेलखंड के कई इलाकों के लिए अलर्ट जारी

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिमी यूपी और तराई के इलाकों में आज से एक बार फिर से अच्छी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने 26 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही बुंदेलखंड में भी जमकर बारिश होने का अनुमान है।

आज सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और पहाड़ दरकने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही

हैं। उत्तराखंड के धारचूला में भारी बारिश के बाद चीन सीमा से जोड़ने वाले तवाघाट-लिपुलेख मार्ग पर ऐलागाड़ और कुलागाड़ के पास पहाड़ी दरक गई। इसकी वजह से दारमा, चौदास और व्यास तीनों घाटियों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। जम्मू संभाग में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश और भूस्खलन ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने पंजाब, राजस्थान, यूपी समेत सात राज्यों में 2 सितंबर तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड और पूर्वी राजस्थान के कई इलाकों में अगले सात दिनों तक भारी बारिश जारी रहने के आसार है। धारचूला में तवाघाट-लिपुलेख के साथ सोबला सड़क पहाड़ी दरकने के कारण बंद हो गई है। लगातार मलबा और बोल्डर गिरने से आवाजाही ठप बनी हुई है।

एअर इंडिया की इंदौर जाने वाली फ्लाइट दिल्ली लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदौर जाने वाला एअर इंडिया का एक विमान आज उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दिल्ली लौट आया। बताया जा रहा है कि पायलट को विमान के दाहिने इंजन में आग लगने का संकेत मिला था। जिसके बाद विमान को दिल्ली लाने का फैसला लिया गया।

एअर इंडिया ने कहा कि विमान को निरीक्षण के लिए रोक दिया गया है और यात्रियों को एक वैकल्पिक विमान में भेजा जा रहा है। जो जल्द ही इंदौर के लिए उड़ान भरेगा। सूत्रों ने बताया कि विमान 30 मिनट से अधिक समय तक हवा में रहने के बाद आपात स्थिति में उतरा। विमान की सुबह करीब 6.15 बजे आपातकालीन लैंडिंग हुई और विमान में 90 से अधिक लोग सवार थे।

यरलाइन ने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि दिल्ली से इंदौर के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट एआई2913 उड़ान भरने के तुरंत बाद दिल्ली लौट आई, क्योंकि कॉकपिट क्रू को दाहिने इंजन में आग लगने का संकेत मिला था।

उन्होंने कहा कि मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए कॉकपिट क्रू ने इंजन बंद करने का निर्णय लिया और विमान को दिल्ली वापस लाया गया, जहां विमान सुरक्षित उतरा। एयरलाइन ने कहा कि हवाई सुरक्षा नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को घटना की सूचना दे दी गई है।

अंतराष्ट्रीय वैश्य संगठन को लगा झटका

आज शाम होने वाले कार्यक्रम की पूर्व महासचिव ने दिया इस्तीफा

नोएडा (चेतना मंच)। अंतराष्ट्रीय वैश्य महा संगठन को आज ही एक बड़ा झटका लगा है। उनके राष्ट्रीय महासचिव गौरव सिंघल, एडवोकेट ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय अग्रवाल को लिखे पत्र में कहा कि इस कार्यक्रम में विशुद्ध रूप से राजनीतिकरण हो रहा है। इसी के विरोध में वे अपने पद से त्यागपत्र दे रहे हैं।

मालूम हो कि आज शाम को ही अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन का एक बड़ा कार्यक्रम होने जा रहा है,

जिसमें लोकसभा अध्यक्ष समेत कई हस्तियों के आने की संभावना है। ऐसे में कार्यक्रम की पूर्वी राष्ट्रीय महासचिव का इस्तीफा एक बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है।

21 साल से कम उम्र वालों को नहीं परोसी जाएगी शराब

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के पब और बार में 21 साल से कम उम्र के युवकों व किशोरों को शराब परोसने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। भारी जुर्माना लगाने के बाद लाइसेंस भी रद किया जाएगा।

नाबालिगों को शराब परोसने की शिकायतों के बाद नोएडा के आबकारी विभाग ने शहर के बार और पब पर कड़ी निगरानी शुरू की है। जिला आबकारी अधिकारी (डीईओ) सुबोध कुमार श्रीवास्तव ने गार्डन गैलेरिया मॉल के पार्टी हब में बार मालिकों और प्रबंधकों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया।

जिले में 155 स्थाई बार लाइसेंस धारक हैं। सभी पब और बार मालिकों को निर्देश दिया कि 21 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को शराब न परोसी जाए। प्रवेश द्वार पर आयु जांच अनिवार्य करने और इसकी सूचना देने वाले बोर्ड प्रमुखता से लगाने के लिए कहा है। साथ ही चेतावनी दी गई कि नाबालिगों को शराब परोसने या लापरवाही मिलने पर कार्रवाई होगी। इस पर कुछ बार मालिकों ने परिवार के साथ आने वाले किशोरों के मामले का जिक्र करते हुए आयु सीमा को लागू करने में असमर्थता जताई, लेकिन डीईओ ने इसे नियम का हवाला देकर इसे सख्ती से लागू करने के लिए कहा।

विकास जैन बने भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन को जिला संयोजक, व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा, गौतम बुद्ध नगर घोषित किया गया है।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि विकास जैन युवा व्यापारी नेता हैं और दिन-रात व्यापारियों की समस्याओं के समाधान में लगे रहते हैं। इसलिए पार्टी हाई कमान ने उनकी मेहनत और लगन को देखते हुए विकास जैन को जिला संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ का कार्यभार दिया है। उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

नव नियुक्त जिला संयोजक

विकास जैन ने कहा कि पार्टी ने मुझ पर जो विश्वास कर एक बड़ा दायित्व सौपा है, मैं पूरी निष्ठा से उसका निर्वहन करुंगा और व्यापारियों के हित में दिन-रात कार्य करूंगा।

अब भाजपा में भी उठने लगे हैं विद्रोह के स्वर

सीएम के कार्यक्रम में अंदर तक नहीं घुस पाए कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता, भारी नाराजगी

नोएडा (चेतना मंच)। देश की सबसे अनुशासित मानी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में अब विद्रोह के स्वर सुनाई देने लगे हैं। लगातार उपेक्षाओं और असमान व्यवहार के कारण पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल रहा है।

दरअसल, कल नोएडा सेक्टर-80 में ड्रोन और रक्षा उपकरण बनाने वाली कंपनी में उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे थे।

इस कार्यक्रम में भाजपा की ओर से केवल कुछ नेताओं को ही प्रवेश मिला। सांसद डॉ. महेश शर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह, दादरी विधायक तेजपाल नागर, नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, पूर्व अध्यक्ष

महिला आयोग विमला बाथम, और सांसद प्रतिनिधि संजय बाली व रोहित। ये नेता हेलीपैड पर मुख्यमंत्री का स्वागत करने के बाद कार्यक्रम में मौजूद रहे।

हालांकि, पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता अंदर तक नहीं घुस पाए। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, प्रशासन को पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं की सूची भेजी गई थी, लेकिन किसी को पास नहीं मिला। नतीजतन, अधिकांश नेता और कार्यकर्ता बाहर ही खड़े रहकर अपनी नाराजगी व्यक्त करते नजर आए।

मंडल अध्यक्ष के साथ बदसलूकी कई मंडलों में आक्रोश

नोएडा (चेतना मंच)। कल शहीद भगत सिंह मंडल के अध्यक्ष गौतम शर्मा के साथ भाजपा के कथित कार्यकर्ता अतुल त्यागी द्वारा गाली-गलौज और बदतमीजी की गई। इसके कारण कई मंडलों के अध्यक्ष और पदाधिकारी नाराज हैं।

सूत्रों ने बताया कि कई मंडल पदाधिकारियों ने शनिवार की रात नाम न छापने की शर्त पर कहा कि यदि पार्टी के शीर्ष नेताओं ने अतुल त्यागी को पार्टी से बाहर नहीं निकाला, तो वह कल होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे।

बताया गया कि सुल्तानपुर निवासी अतुल त्यागी ने मंडल अध्यक्ष गौतम शर्मा के साथ किसी बात को लेकर दुर्व्यवहार किया। मंडल अध्यक्ष ने इसकी शिकायत पार्टी के शीर्ष नेताओं से भी की है। सभी मंडलों के पदाधिकारी मांग कर रहे हैं कि ऐसे कार्यकर्ता को तुरंत पार्टी से बाहर किया जाना चाहिए।

कोचिंग का सहारा

हाल के दिनों में कोचिंग का तेजी से बढ़ता प्रचलन अभिभावकों के बजट को बिगाड़ रहा है। छात्रों का कोचिंग जाना धीरे-धीरे अपरिहार्य माना जाने लगा है। जिसके चलते माता-पिता को अपने अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। हाल ही में भारत सरकार के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि देश भर के लगभग हर चार में से एक स्कूली छात्र ने इस वर्ष निजी कोचिंग ली। कुल मिलाकर देश के 27 फीसदी विद्यार्थी निजी कोचिंग लेते हैं। यह प्रतिशत शहरों में ज्यादा है, जो सर्वे में करीब 31 फीसदी पाया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की तुलना में कम- 25 फीसदी पाया गया है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में यह कोई वैकल्पिक सुविधा नहीं है बल्कि शिक्षा प्रणाली की विसंगतियों से अपने बच्चों को उबारकर उनके बेहतर भविष्य की आस का जरिया है। उस स्थिति से उबरने की कोशिश है जो छात्रों को परीक्षा से पूर्व तनाव व परेशानी में धकेल देती है। केंद्र सरकार के व्यापक वार्षिक माड्यूलर सर्वेक्षण यानी सीएमएस में खुलासा हुआ है कि शहरी परिवार कोचिंग पर साल में औसतन चार हजार रुपये खर्च करते हैं। वहीं उच्चतर माध्यमिक छात्रों के लिये राशि बढ़कर दस हजार रुपये हो जाती है। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च कम हो जाता है। लेकिन फिर भी परिवार की आय पर दबाव जरूर बनाता है। कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (शिक्षा) के ये आंकड़े एक सच्चाई को उजागर करते हैं कि स्कूली पढ़ाई छात्रों की सभी जिज्ञासाओं को शांत नहीं कर पाती। यानी स्कूल छात्रों की परीक्षाओं के लिये अपेक्षित आत्मविश्वास प्रदान करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर बात है कि यदि स्कूलों में पढ़ाई छात्राओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हो और उनकी जिज्ञासा कक्षा की पढ़ाई के दौरान शांत हो जाए, तो वे कोचिंग की आवश्यकता महसूस नहीं करेंगे। सर्वे बताता है कि आज देश में 56 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में शिक्षा ले रहे हैं। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या दो दिहाई है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में कोचिंग का बढ़ता प्रचलन आकांक्षाओं से ज्यादा व्यवस्थागत कमजोरी का संकेत है। वहीं पंजाब और हरियाण में,यह प्रचलन ज्यादा है जहां बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं का अधिक दबाव हावी रहता है। जिसके चलते कुकरमुत्तों की तरह कोचिंग सेंटर उग रहे हैं। नतीजा साफ है कि कक्षाओं में ठीक से पढ़ाई न होने के कारण छात्रों का ध्यान व पैसा स्कूल के समानांतर चलाए जा रहे कोचिंग सेंटरों को जा रहा है। कोचिंग सेंटर, जिनका मकसद सिर्फ मुनाफा जुटाना ही है, वे समाज में एक कृत्रिम स्पर्धा ट्यूशन पढ़ने व न पढ़ने वाले छात्रों के बीच पैदा कर रहे हैं। पारिवरिक परिस्थितियों के चलते ट्यूशन न पढ़ने वाले छात्र असुरक्षा व हीन भावना के शिकार हो जाते हैं। दरअसल, इस समस्या का समाधान कोचिंग को बाजार हिस्सा मानकर नहीं किया जा सकता है। प्रतिबंध या सीमाएं निर्धारण से भी समस्या का समाधान करने के बजाय हम इस मुद्दे को और जटिल बना देंगे। बेहतर होगा कि स्कूल में कमजोर छात्रों को स्कूल के समय बाद अतिरिक्त कक्षाओं के जरिये मजबूती प्रदान की जाए। खासकर बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों पर अधिक ध्यान व समय देकर स्कूल प्रबंधक रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ेगा। अधिक विषयों के लिये योग्य शिक्षकों की नियुक्ति व रटने के बजाय समझने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर भी कोचिंग प्रथा को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही स्कूलों में छात्रों का मध्यावधि मूल्यांकन भी मददगार साबित हो सकता है। राज्य बोर्डों को भी छात्रों के ज्ञान के मूल्यांकन को नया स्वरूप देना चाहिए। वे छात्रों को समझ और व्यावहारिक ज्ञान देने को प्राथमिकता दें बजाय कि रटने की प्रवृत्ति को बढ़ाने की। यदि निजी कोचिंग अपरिहार्य है तो कम आय वाले छात्रों के लिये आर्थिक सहायता नैसर्गिक न्याय करेगी। इससे शिक्षा के क्षेत्र में समानता लाना संभव है। अन्यथा कोचिंग का दायरा बढ़ता ही रहेगा। अन्यथा असमानता बढ़ेगी और कक्षाओं में छात्रों की भागीदारी कम होती जाएगी।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के शताब्दी संदेश से बहुत कुछ प्रेरणा ले सकती है भाजपा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जब भी कुछ बोलते हैं उसे बिना कुछ सोचे समझे देश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी से संबंधित मान लिया जाता रहा है। ऐसे में इस बार भी उन्होंने विज्ञान भवन में जो कुछ कहा है, उसे बीजेपी से ही जोड़कर देखा ही जाएगा। सर्वप्रथम, उनका यह कहना महत्वपूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना-देना नहीं%, बल्कि इसके बड़े मायने हैं। ऐसे समय में जब देश में हिंदूवादी राजनीति अपने शिखर पर है, मोहन भागवत द्वारा दिया गया यह भाषण बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। वाकई जब वे कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र शब्द का सत्ता से कोई मतलब नहीं है, तो इसके गहरे सियासी निहितार्थ हैं। क्योंकि प्राय: भाजपा सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि वह इस विचारधारा को सत्ता पाने और उसमें बने रहने के औजार के रूप में इस्तेमाल करती है। कहना न होगा कि संघ बीजेपी को समय समय पर वैचारिक खुराक व प्रबुद्ध दिशानिर्देश देता रहा है। यही वजह है कि अपने तमाम मतभेदों के बावजूद संघ और बीजेपी एक बिंदु पर जाकर एक हो जाते हैं।

ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है।

ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। ऐसे में सीधा सवाल यह है कि संघ प्रमुख के इस बयान के मायने क्या हैं? क्या यह सीधे-सीधे वक्त-वेवक्त लीक से भटकती दिखाई देतीबीजेपी नेताओं को संदेश देता है?

यूँ तो 21वीं सदी के महान किंगमेकर मोहन भागवत समय समय पर नीतिगत बातें स्पष्ट करते रहते हैं। ऐसे में उनका यह ताज़ा बयान भी ऐसे समय पर आया है जब इंडिया गठबंधन रूपी बिखरा विपक्ष भाजपा पर निरंतर यह आरोप मढ रहा है कि वह बहुसंख्यकवाद और ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रही है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी दूरदर्शिता के बदौलत ही भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्तासीन है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी उसके हाथ में सूबाई सत्ता की ताकत है।

लिहाजा, संघ प्रमुख का यह कहना कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ सत्ता से नहीं है, एक राजनीतिक संतुलन साधने की कवायद के रूप में भी देखा जा सकता है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ अब बीजेपी को हिंदू राष्ट्र के मुद्दे को थोड़ा नरम करके चलने का संकेत देना चाहता हो। चूंकि परिवर्तन सृष्टि का शाश्वत नियम है। इसलिए संघ की सोच-समझ में समयानुसार नीतिगत सुधार अपेक्षित है। ऐसे में जो आरएसएस अपनी स्थापना के शुरुआती दिनों से ही हिंदू राष्ट्र की बात पर मुखर रहा है, वह भी नरम हो रहा है।

बता दें कि सदाशिव गोलवलकर, जिन्हें गुरुजी कहा जाता है, ने इसे परिभाषित करते हुए कहा था कि भारत की आत्मा हिंदू है और यहां की संस्कृति की जड़ें हिंदुत्व से निकली हैं। वाकई संघ का शुरू से ही मानना रहा है कि हिंदू शब्द सिर्फ धार्मिक नहीं है, बल्कि इसमें सभ्यता, परंपरा, जीवनशैली और सामाजिक मूल्य सभी शामिल हैं। यही वजह है कि संघ हमेशा कहता रहा कि मुसलमान, ईसाई, पारसी या अन्य धार्मिक समूह भी इस राष्ट्र के उतने ही हिस्से हैं, जितने हिंदू। इसलिए यह बिल्कुल सीधा और साफ संदेश है कि भागवत का बयान संघ की पुरानी लाइन को ही दोहराता है।

कहना न होगा कि आरएसएस सीधे सत्ता की राजनीति में शामिल नहीं होता है, बल्कि संघ की असली ताकत समाज-निर्माण, जनशिक्षा, जनसेवा और सांस्कृतिक कार्यक्रम में है। इसलिए संघ प्रमुख के इस बात में कुछ भी नया नहीं है कि हिंदू राष्ट्र का लक्ष्य संसद में बहुमत पाना नहीं है, बल्कि समाज को ऐसा बनाना है जिसमें नैतिकता, समरसता और सांस्कृतिक एकता स्थापित हो। लेकिन उनकी इस बात की टाइमिंग बहुत ही महत्वपूर्ण है। शायद यह हो सकता है कि संघ प्रमुख बीजेपी के लिए कोई सीमा रेखा खींच रहे हैं या अल्पसंख्यकों को कोई व्यापक संदेश दे रहे हों।

ऐसा इसलिए कि भारत में हिंदू राष्ट्र का सीधा संबंध अक्सर मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों में असुरक्षा की भावना से लिया जाता है। जबकि विपक्ष इसे बहुसंख्यकवादी एजेंडा मानता है। वहीं, चूंकि कांग्रेस-समाजवादियों की तुष्टीकरण की नीतियों से ही हिंदुओं को काफी क्षति हुई है, जिससे संघ-भाजपा की विचारधारा को मजबूती मिली। हालांकि, कांग्रेस नेताओं के मुंह से बीजेपी के बजाय आरएसएस के लिए ज्यादा अपशब्द निकलता रहा है। वहीं आरएसएस के मुख से नेहरू-गांधी परिवार की कुचक्री नीतियों के लिए। शायद यही कारण है कि जब भागवत कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई संबंध नहीं है तो यह संदेश जाता है कि संघ का उद्देश्य किसी पर वर्चस्व थोपना नहीं है, बल्कि यह अवधारणा सबको साथ लेकर चलने वाली सांस्कृतिक पहचान की है।

यहां पर समझने वाला आवश्यक तथ्य यह है कि आखिर संघ यह बात बार-बार क्यों दुहरा रहा है? क्या वो भाजपा के स्थायी शासन के लिए अल्पसंख्यकों को रिझाना चहता है? या फिर यह कहीं बीजेपी को अगले विधानसभा चुनावों के लिए इशारा तो नहीं है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी इस वर्ष बिहार और अगले वर्ष पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में डेमोग्रेफी चेंज और मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर अल्पसंख्यकों पर लगातार जुबानी हमले कर रही है। ऐसे में हो सकता है कि संघ यह चाहता हो कि बीजेपी को अपने रुख में थोड़ी नरमी लानी चाहिए!

वहीं, भागवत का बयान भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से यह याद दिलाता है कि संघ की दृष्टि सत्ता से आगे की है। भाजपा हिंदू राष्ट्र को राजनीतिक नारे के रूप में इस्तेमाल सत्ता हासिल करने के लिए कर सकती है। लेकिन भागवत का यह बयान केवल वैचारिक नहीं बल्कि जमीनी राजनीति से भी जुड़ा हो सकता है। क्योंकि बार-बार यह सवाल उठ रहा है कि देश में बेरोजगारी, किसान संकट जैसे मुद्दे हिंदू-मुसलमान की राजनीति के चलते गौण हो गए हैं। लिहाजा, संघ शायद यह संदेश देना चाहता है कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ इन समस्याओं से मुंह मोड़ना नहीं बल्कि इन्हें समाज-आधारित समाधान देना है।

-कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि श्री रघुनाथजी ने वहाँ कुछ दिन और रहकर ब्राह्मणों पर दया की। भक्ति के कारण ब्राह्मणों ने उन्हें पुराणों की बहुत सी कथाएँ कहीं, यद्यपि प्रभु सब जानते थे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तब मुनि सादर कहा बुझाई। चरित एक प्रभु देखिअ जाई॥
धनुषजग्य सुनि रघुकुल नाथा। हरषि चले मुनिबर के साथा॥

तदन्तर मुनि ने आदरपूर्वक समझाकर कहा-हे प्रभो! चलकर एक चरित्र देखिए। रघुकुल के स्वामी श्री रामचन्द्रजी धनुषयज्ञ (की बात) सुनकर मुनिश्रेष्ठ विश्वामित्रजी के साथ प्रसन्न होकर चले॥

आश्रम एक दीख मग माहीं। खग मृग जीव जंतु तहँ नाहीं॥
पूछा मुनिहि सिला प्रभु देखी। सकल कथा मुनि कहा बिसेषी॥

मार्ग में एक आश्रम दिखाई पड़ा। वहाँ पशु-पक्षी, को भी जीव-जन्तु नहीं था। पत्थर की एक शिला को देखकर प्रभु ने पूछा, तब मुनि ने विस्तारपूर्वक सब कथा कही॥

दो0-गौतम नारि श्राप बस उपल देह धरि धीर।
चरन कमल रज चाहति कृपा करहु रघुबीर॥

गौतम मुनि की स्त्री अहल्या शापवश पत्थर की देह धारण किए बड़े धीरज से आपके चरणकमलों की धूलि चाहती है। हे रघुवीर! इस पर कृपा कीजिए॥

(क्रमशः...)

नेताओं को सुधारने के लिए इंडोनेशिया जैसे हालात

इंडोनेशिया की राजधानी में संसद पहुंचने की कोशिश कर रहे हजारों पत्थरबाज छात्रों पर दंगा पुलिस ने आंसू गैस के कई राउंड दागे। ये छात्र संसद सदस्यों के भव्य भत्तों का विरोध करने के लिए वहां पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी हाल की रिपोर्टों से नाराज थे कि प्रतिनिधि सभा के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से प्रति माह 50 मिलियन रुपिया का आवास भत्ता मिल रहा है। सांसदों को प्रति महीने दिया जाने वाला भत्ता एक इंडोनेशियाई नागरिक के प्रति महीने आय से 20 गुना ज्यादा है। इंडोनेशिया की संसद के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से 5 करोड़ रुपए (3075 डॉलर) आवास भत्ता के तौर पर दिए जा रहे हैं। इंडोनेशिया में भ्रष्टाचार व्याप्त है और कार्यकर्ताओं का कहना है कि 28 करोड़ से ज्यादा की आबादी वाले देश में पुलिस और संसद सदस्यों को व्यापक रूप से भ्रष्ट माना जाता है। नेताओं के रवैये को देखकर लगता है कि भारत में भी देर-सबेर ऐसे हालात बन रहे हैं। मंत्री, सांसद-विधायकों का सही मायने में देश के लोगों की हालत से ज्यादा सरोकार नहीं रह गया है। संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में चर्चा के लिए 120 घंटे तय थे, किन्तु 37 घंटे ही चर्चा हो पाई। हंगामे के कारण कार्रवाई ठप होने से जनता कई सौ करोड़ के धन का नुकसान हुआ। लगातार व्यवधानों के कारण केवल एक-तिहाई समय तक ही सक्रिय रूप से चल पाया।

इसमें बड़ा हिस्सा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा का रहा। अधिकांश समय हंगामे में बीता, जिससे विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित किए गए। राज्य सभा में 285 सवाल पूछने के बावजूद केवल 14 सवालों का ही जवाब सत्र के दौरान दिया गया। लगातार 20 दिनों तक इंडिया ब्लॉक से जुड़े विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण के मुद्दे पर लोकसभा और राज्यसभा के अंदर और बाहर जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। इसकी वजह से दोनों सदनों की कार्यवाही काफी बाधित हुई। राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन हरवंश ने मॉनसून सत्र के आखिरी दिन अपने समापन भाषण में कहा कि कुल मिलाकर, सदन केवल 41 घंटे 15 मिनट ही चल पाया। इस सत्र की उत्पादकता निराशाजनक रूप से सिर्फ 38.88 प्रतिशत रही, जो गंभीर आत्मचिंतन का विषय है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि चुने हुए जनप्रतिनिधि देशहित के लिए कितने गंभीर हैं। काम नहीं तो वेतन नहीं, संसद में इस मुद्दे पर कोई आवाज नहीं उठाता। किसी भी कारण से संसद का कामकाज हो या नहीं, इससे सांसदों को फर्क नहीं पड़ता। उन्हें पूरा वेतन-भत्ता मिलता है। काम नहीं करने के आधार पर इसमें कटौती की कोई चर्चा तक नहीं करता। दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेश के निर्दलीय सांसद उमेश पटेल अकेले ऐसे सांसद रहे जिन्होंने यह मांग उठाई। उन्होंने कहा था कि अगर सदन नहीं चलता है, तो सांसदों को भत्ता भी नहीं मिलना चाहिए। उनका दावा था कि सांसदों को भत्ता तो मिलता है, लेकिन जनता के काम नहीं हो पाते। उन्होंने आरोप लगाया था कि सत्ता और विपक्ष दोनों की ईगो के कारण सदन नहीं चलने दिया जा रहा है, जबकि विपक्षी दल सरकार को ही इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदन में कार्य नहीं होने पर सांसदों का वेतन और अन्य लाभ रोके जाने चाहिए। संसद की कार्यवाही ठप करने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे पर आरोपों का ठीकरा फोड़ते हैं, लेकिन जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब मिल कर एक हो जाते हैं। इस पर कोई बहस तक नहीं होती। वेतन-भत्तों के एवज में सांसदों की उत्पादकता कितनी रही, इसका विश्लेषण तक नहीं किया जाता। देश जब 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाता है, तब उस दौरान मॉनसून सत्र में 79 घंटे भी संसद नहीं चली। देश की संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ। इससे 124 करोड़ 50 लाख रुपए जनता का धन बर्बाद हुआ। राज्यसभा 73 घंटे ठप रही, इससे 80 करोड़ रुपए व्यर्थ गए। मतलब दोनों सदनों में मिलाकर 204 करोड़ 50 लाख रुपए बर्बाद कर दिए गए। संसद में जहां घंटाभर बैठकर सांसद काम नहीं कर सकते हैं, उन्हें ही 5-5 साल की जिम्मेदारी देकर जनता भेज देती है।

संसद में बैठने वाले 93 प्रतिशत सांसद करोड़पति हैं, जिन्हें अभी एक लाख 24 हजार रुपए हर महीने वेतन मिलता है। संसदीय क्षेत्र भत्ता 84 हजार रुपए होता है। दैनिक भत्ता सांसदों का 2500 रुपए है। वेतन-भत्ता जोडक़र हर सांसद को हर महीने दो लाख 54 हजार रुपए जनता के पैसे से दिया जाता है। देशहित के नाम पर हंगामा कर संसद की कार्यवाही ठप करने में सांसद कोई मौका नहीं छोड़ते, पर जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब एक हो जाते हैं। गत वर्ष संसद सदस्यों के वेतन में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। नया वेतन 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी माना गया। इसके साथ ही सांसदों का मासिक वेतन कुछ भत्तों और सुविधाओं के अलावा 1.24 लाख रुपए हो गया है। सरकार का कहना था कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए सांसदों के वेतन में वृद्धि की गई। वहीं पूर्व सदस्यों के लिए पांच साल से अधिक की सेवा पर प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन की घोषणा की गई। इसमें कहा गया है कि दैनिक भत्ता 2000 रुपए से बढ़ाकर 2500 रुपए कर दिया गया है। पूर्व सांसदों की पेंशन 25000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 31000 रुपए प्रति माह कर दी गई। पांच साल से अधिक की सेवा पर प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन 2000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 2500 रुपए प्रति माह कर दी गई। 1954 के सांसद वेतन, भत्ता और पेंशन अधिनियम के तहत उन्हें यह सुविधा दी गई है। हर पांच साल में होता है रिव्यू ॰ 2018 के बाद से सांसदों के वेतन और भत्ते की हर पांच साल पर समीक्षा होती है। यह समीक्षा महंगाई दर पर आधारित होती है। 2018 में सांसदों के वेतन और भत्तों के लिए कानून में संशोधन किया गया था। सांसदों को विट्ठलभाई पटेल (वीपी) हाउस में हॉस्टल से लेकर मध्य दिल्ली में दो बेडरूम वाले फ्लैट और बंगले तक आवास मिलता है।

उन्हें बिजली, पानी, टेलीफोन और इंटरनेट शुल्क के लिए भी राशि दी जाती है। संसद में निरंतर हंगामे के परिणामस्वरूप दोनों सदनों में लंबे समय तक स्थगन होता है, जो अंततः सदन में सार्वजनिक नीति के निर्माण को प्रभावित करता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में से एक है, जहां नीति पर अपनी राय के साथ हर किसी की अपनी आवाज है, लेकिन ये लंबे समय तक व्यवधान संसद की क्षमता को कम कर रहा है। दिन के अंत में हमें क्या परिणाम मिलता है, और चर्चा से हमें कितना लाभ होता है? संसद अपने नियम और विनियम बनाती है, विधायी निकायों के प्रभावी कामकाज के लिए उन नियमों और विनियमों का पालन करना सदस्यों पर निर्भर है। ऐसा कब तक होगा? संसद को व्यक्तिगत स्तर और पार्टी स्तर दोनों पर आंतरिक जांच और संतुलन के साथ आना होगा। बार-बार व्यवधान डालने पर आनुपातिक दंड लगाया जा सकता है। एक संसद व्यवधान सूचकांक तैयार किया जा सकता है जिस पर व्यवधानों का स्वतः निलंबन लागू किया जा सकता है।

-योगेंद्र योगी

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष अष्टमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

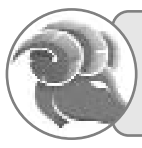

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
थोड़ा बचकर पार करें। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। कोई रिस्क न लें।

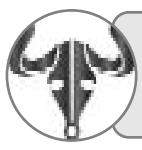

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। आनंददायक जीवन गुजारेंगे। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
शत्रु थोड़ा एक्टिव रहेंगे और स्वास्थ्य भी थोड़ा प्रभावित रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा रहेगा। व्यापार अच्छा है।

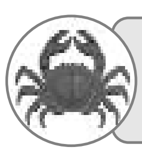

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भावनाओं पर काबू रखें। प्रेम में तूतू-मैंमैं का संकेत है। स्वास्थ्य ठीक ठाक। प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम।

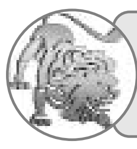

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी भी हो सकती है।

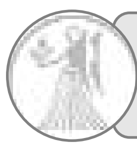

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
पराक्रम रंग लाएगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य अच्छा।

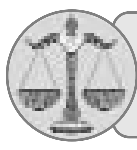

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धनागमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। धन हानि के संकेत हैं।

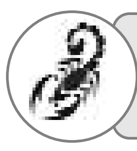

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं उपलब्ध होंगी।

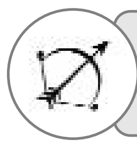

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
मन चिंतित रहेगा। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा से परेशान हो सकते हैं। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

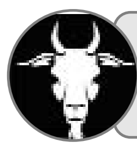

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आय के नए सोर्स बनेंगे और पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। रुका हुआ धन वापस मिलेगा।

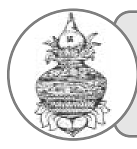

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
पिता का साथ होगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यवसाय आगे बढ़ेगा। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। यात्रा का योग बनेगा।

हाई टेंशन करंट चपेट में आने से महिला झुलसी

जेवर (चेतना मंच)। कोतवाली क्षेत्र के बनकापुर गांव में शनिवार देर शाम एक महिला हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से झुलस गई। स्वजन या महिला को गंभीर हालत में जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका उपचार जारी है। ग्रामीणों ने विद्युत निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जेवर खुर्जा मार्ग पर बंकापुर बिजली घर के सामने जाम लगा दिया।

शनिवार शाम तुलसी 30 वर्ष पत्नी रोहित निवासी बंकापुर घर में कुछ काम कर रही थी। इसी दौरान घर की छत के ऊपर से जा रही 11000 वोल्टेज की हाई टेंशन लाइन की करंट की चपेट में आ गई। हादसे में महिला बुरी तरह से झुलस गई।

लोगों ने बंकापुर बिजली घर से लाइन को बंद करते हुए किसी तरह कैसे महिला को उपचार के लिए भेजो। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लगभग 25 से 30 घरों की छतों के ऊपर से होकर हाई टेंशन लाइन गुजर रही है।

इस लाइन को हटाने के लिए बिजली विभाग से लगातार ग्रामीण मांग करते आ रहे हैं लेकिन विभाग की लापरवाही के चलते लाइन नहीं हटाई जा रही है जिसकी वजह से कुछ समय पूर्व एक युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई थी। अन्य के ही हदसे हो चुके हैं। घटना से नाराज ग्रामीणों ने जेवर खुर्जा मार्ग पर जाम लगा रखा है ग्रामीण हाई टेंशन लाइन को आबादी के बीच से हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं।

निक्की हत्याकांड : 35 और 25 सेकेंड के दो वीडियो से पुलिस खोलेगी हत्या का राज

ग्रेटर नोएडा। निक्की हत्याकांड से पुलिस 35 सेकेंड के वीडियो से पर्दाफाश कर सकती है। निक्की के स्वजन ने एक वीडियो वायरल किया है। जो घटना के समय का होने का दावा किया जा रहा है। इसमें आरोपी पति विपिन बदहवास दिख रहा है।

उसके चेहरे पर भी हवाइयां उड़ रही हैं। दूसरा वीडियो विपिन के परिवार वालों ने प्रसारित किया है। इसे भी घटना के समय का होने का दावा किया है। इसमें विपिन गाड़ी धुलते दिखाई दे रहा है। फिलहाल दैनिक जागरण किसी भी वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

रूपवास निवासी निक्की के स्वजन ने करीब 25 सेकेंड का एक वीडियो वायरल किया है। इसमें आरोपी विपिन घटना के समय बदहवास हालत में घर से बाहर की तरफ भागकर आता दिख रहा है। उसके चेहरे पर हवाइयां उड़ रही हैं, वह मुंह पर हाथ फेर रहा है।

निक्की के स्वजन का दावा है कि घटना के समय विपिन घर में था। घटना के बाद ही वह घर के बाहर भाग कर पहुंचा था। उधर, विपिन के परिवार वालों की तरफ से भी 35 सेकेंड एक वीडियो वायरल किया गया है। इसमें विपिन गाड़ी धुल रहा है।

परिवार वालों का दावा है कि घटना के समय विपिन घर से बाहर था। इसके अलावा यहीं पर निक्की की सास दया के होने का भी दावा किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने ऐसे कोई वीडियो वायरल होने की पुष्टि नहीं की है।

निक्की की मौत के मामले में पुलिस उसके मृत्यु पूर्व दिए गए बयान को आरोपितों को सजा दिलाने में सबसे अहम साक्ष्य मान रही है। उधर, आरोपितों के परिवार वालों ने शनिवार को सूरजपुर कोर्ट परिसर पहुंचकर अपने वकीलों को एक पेन ड्राइव में घटना के समय की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराई।

उनका दावा है कि इन फुटेज से यह साबित हो जाएगा कि घटना के समय आरोपी विपिन और उसके स्वजन निक्की के साथ मौजूद नहीं थे। घटना के समय मकान में निक्की और उसकी बहन ही मौजूद थी।

विपिन के परिवार वालों का यह भी दावा है कि जिस गाड़ी से निक्की को घर से ग्रेटर नोएडा स्थित फोर्टिस अस्पताल ले जाया गया था। उसमें उसके साथ सिर्फ सास दया, ससुर सत्वीर और देवर देवेंद्र थे। देवेंद्र ही गाड़ी चला रहा था।

घटना के समय विपिन घर के बाहर था, मां दूध लेकर दुकान पर बैठी थी, पिता सतवीर भी घर के बाहर थे। जेठ उस समय सिरसा टोल प्लाजा के पास ड्यूटी पर था, जहां वह एक अधिकारी की गाड़ी चलाता है। परिवार वालों का कहना है कि परिस्थितियों को नजर में रखते हुए आरोपितों को फंसाया जा रहा है।

पुलिस का मानना है कि अस्पताल में निक्की द्वारा डाक्टरों और नर्सों को दिया गया बयान सबसे मजबूत कड़ी है। पुलिस ने डॉक्टरों और नर्सों के बयान दर्ज किए हैं।

फोर्टिस अस्पताल से मिला मेमो भी साक्ष्य के तौर पर पेश करने की तैयारी में है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि निक्की अस्पताल पहुंचने के बाद भी होश में थी। उसने बताया था कि वह घर में सिलिंडर फटने से झुलसी है।

डीसीजी क्राइम ब्रह्मजीत भाटी ने बताया आरोपियों की ओर से जिला जज की अदालत में जमानत के लिए अभी तक अर्जी दाखिल नहीं की गई है। आरोपियों की तरफ से जमानत याचिका दाखिल होगी तो पुलिस निक्की का मृत्यु पूर्व बयान अदालत के सामने पेश कर जमानत खारिज कराने की कोशिश करेगी।

भूजल वापस जमीन में डालने पर सहमति बनी

दनकौर। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में निर्माणाधीन विश्वविद्यालय का कार्य अब शुरू हो सकेगा। विश्वविद्यालय के ठेकेदार ने भूजल को वापस जमीन में डालने पर आश्वासन दिया। इस पर किसानों और अधिकारियों के बीच सहमति बन गई। किसान एकता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के नेतृत्व में शनिवार को एक प्रतिनिधिमंडल की वार्ता जेआईआईटी निर्माणाधीन यूनिवर्सिटी के वाइस प्रेसिडेंट ब्रिगेडियर सुधीर लांबा और भूजल दोहन कर रहे ठेकेदार के साथ हुई। वार्ता में सहमति बनी कि भूजल को यूनिवर्सिटी के अंदर ही बोरिंग करके वापस जमीन में डाला जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वार्ता के दौरान यह भी सहमति बनी, जिन किसानों से यूनिवर्सिटी के लिए जमीन ली गई है, उन किसानों के बच्चों को योग्यता के आधार पर यूनिवर्सिटी में रोजगार दिया जाएगा। इसके अलावा जेपी ग्रुप द्वारा अधिग्रहित जमीन का 64.7 प्रतिशत रुका हुआ अतिरिक्त मुआवजा क्षेत्र के किसानों को देने पर भी सहमति बनी। अधिकारियों ने वार्ता के दौरान बताया कि एलएफडी के अंतर्गत अच्छेजा बुजुर्ग, डूंगरपुर रीलका की संपूर्ण जमीन का मुआवजा लगभग 80 करोड़ रुपये यमुना विकास प्राधिकरण में जमा कर दिया गया है। इसकी प्रतिलिपि संगठन को सौंप दी गई। पूर्व में फॉर्मूला वन रेसिंग ट्रैक एवं जीपी के जो प्रोजेक्ट क्षेत्र में चल रहे हैं, उनमें 50न्न क्षेत्र के किसानों के बच्चों को योग्यता के आधार पर रोजगार दिया जाए आदि विभिन्न समस्याओं को लेकर सहमति बन गई है।

नोएडा में ट्राई के सौजन्य से उपभोक्ता संपर्क कार्यक्रम, साइबर फ्रॉड पर हुई विस्तृत चर्चा

नोएडा(चेतना मंच)। सेक्टर-63 स्थित डी-87 में ट्राई के सौजन्य से एक उपभोक्ता संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय मानव कल्याण समिति नोएडा एवं विचार मंथन संस्था द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बागपत से सांसद राजकुमार सांगवान ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में देवदत्त शामिल हुए।

कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे, जिनमें भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, चार्टर्ड अकाउंटेंट राकेश सिंह, पूर्व विधायक मदन चौहान और भारतीय मानव कल्याण समिति के अध्यक्ष सुरेश चंद्र शर्मा शामिल थे।

कार्यक्रम का प्रमुख विषय साइबर फ्रॉड रहा। इस दौरान पुलिस निरीक्षक बलजीत सिंह ने विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए। उपस्थित लोगों ने कई प्रश्न पूछे जिनका समाधान मौके पर ही किया गया।

इस अवसर पर राकेश सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया, वहीं मनीष शर्मा ने उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया। अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

विशेष रेलगाड़ियों की संचालन अवधि में वृद्धि

सर्वसबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों की संचालन अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

रेलगाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	चलने के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तार की अवधि	कुल फेरे
04217	वाराणसी जं.	लखनऊ जं.	प्रतिदिन	31.10.2025	**01.11.2025 से 30.11.2025**	30
04218	लखनऊ जं.	वाराणसी जं.	प्रतिदिन	31.10.2025	**01.11.2025 से 30.11.2025**	30
04090	आनंद विहार ट.	पटना जं.	प्रतिदिन	07.11.2025	**08.11.2025 से 29.11.2025**	22
04089	पटना जं.	आनंद विहार ट.	प्रतिदिन	08.11.2025	**09.11.2025 से 30.11.2025**	22

नोट :– शेष जानकारी पूर्ववत् है

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में पड़ने वाले अन्य स्टेशनों की विस्तृत समय–सारणी और श्रेणियों की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in देखें अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें :- www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2629/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

योगी के दौरे को लेकर दर्जनों सपा नेताओं को किया हाउस अरेस्ट

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नोएडा दौरे को लेकर पुलिस ने एक दर्जन से अधिक सपा नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया। हाउस अरेस्ट किए गए नेताओं में सपा जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी, अक्षय चौधरी, जगवीर नंबरदार, सुभाष भाटी शहदरा, रोहित मत्ते गुर्जर, कुलदीप भाटी, प्रशांत भाटी, मोहित नागर, शाहरुख चौधरी आदि शामिल हैं।

सपा जिलाध्यक्ष ने इस कार्रवाई को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार समाजवादी पार्टी से घबराई हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह से सपा के लोग भाजपा के झूठ और जनहित के मुद्दों को उजागर कर रहे हैं, उससे पार्टी के खेमे में खलबली मची हुई है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी नाकामी छुपाने और जनता के मुद्दों को दबाने के लिए दमनकारी नीति अपनाते हुए समाजवादी पार्टी के नेताओं को हाउस अरेस्ट कर रहे हैं।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

शारदा विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ लॉ और नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ लॉ ने अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता की यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विधि और फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

स्कूल ऑफ लॉ के डीन डॉ. ऋषिकेश दवे ने बताया कि इस समझौते का उद्देश्य संयुक्त शोध, शैक्षणिक आदान-प्रदान और क्षमता-विकास पहलों को प्रोत्साहित करना है। यह दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए कौशल विकास, प्रशिक्षण और ज्ञान-साझाकरण के नए अवसर भी उपलब्ध कराएगा।

इस साझेदारी के माध्यम से शारदा स्कूल ऑफ लॉ ने विधि शिक्षा और फोरेंसिक विज्ञान के बीच की खाई को पाटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे विद्यार्थी एक समग्र और व्यावहारिक दृष्टिकोण से सशक्त होंगे।

संयुक्त शिक्षण और प्रशिक्षण के साथ-साथ दोनों संस्थान शोध सामग्री, प्रकाशनों, पुस्तकालय संसाधनों का आदान-प्रदान, वैज्ञानिक उपकरणों और प्रयोगशालाओं का उपयोग करेंगे। इसके अलावा, शोधार्थियों को मार्गदर्शन के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे।

डॉ. दवे ने कहा कि कई बार साक्ष्यों के अभाव में मुकदमे की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाती और संदेह के आधार पर कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता। इसलिए फोरेंसिक विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. पूर्वी पोखरियाल, और डॉ. तर्केश मोलिया भी मौजूद रहे।

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ -2025

आगामी त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा त्यौहार विशेष रेलगाडियाँ नीचे दी गई समय–सारणी के अनुसार संचालित की जाएंगी:–

04450/04449 नई दिल्ली-दरभंगा जं.-नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) | 122 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04450 ↓		स्टेशन	↑ रेलगाड़ी सं. 04449	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	15:10	नई दिल्ली	23:00	---
16:30	---	दरभंगा जं.	---	18:15

चलने के दिन: **04450 नई दिल्ली से** दिनांक 20.09.2025 से 15.10.2025 एवं 27.10.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04449 दरभंगा जं. से** दिनांक 21.09.2025 से 16.10.2025 एवं 28.10.2025 से 01.12.2025 तक (प्रतिदिन)

स्थान: शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं. स्टेशन।

04454/04453 नई दिल्ली-मानसी जं.-नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) | 122 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04454 ↓		स्टेशन	↑ रेलगाड़ी सं. 04453	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	20:00	नई दिल्ली	03:00	---
23:30	---	मानसी जं.	---	01:10

चलने के दिन: **04454 नई दिल्ली से** दिनांक 20.09.2025 से 15.10.2025 एवं 27.10.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04453 मानसी जं. से** दिनांक 22.09.2025 से 17.10.2025 एवं 29.10.2025 से 02.12.2025 तक (प्रतिदिन)

स्थान: शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुण्डला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय और खगड़िया जं. स्टेशन।

04456/04455 नई दिल्ली-धनबाद जं.-नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) | 122 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04456 ↓		स्टेशन	↑ रेलगाड़ी सं. 04455	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	22:40	नई दिल्ली	06:00	---
02:20	---	धनबाद जं.	---	04:00

चलने के दिन: **04456 नई दिल्ली से** दिनांक 20.09.2025 से 15.10.2025 एवं 27.10.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04455 धनबाद जं. से** दिनांक 22.09.2025 से 17.10.2025 एवं 29.10.2025 से 02.12.2025 तक (प्रतिदिन)

स्थान: शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, आलमनगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., भदोही, वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो स्टेशन।

04458/04457 आनन्द विहार(टर्मि.)-भागलपुर-आनन्द विहार(टर्मि.) आरक्षित त्यौहार विशेष एक्स. (प्रतिदिन) | 122 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04458 ↓		स्टेशन	↑ रेलगाड़ी सं. 04457	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	13:40	आनन्द विहार(टर्मि.)	22:00	---
14:30	---	भागलपुर	---	18:00

चलने के दिन: **04458 आनन्द विहार(टर्मि.) से** दिनांक 20.09.2025 से 15.10.2025 एवं 27.10.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04457 भागलपुर से** दिनांक 21.09.2025 से 16.10.2025 एवं 28.10.2025 से 01.12.2025 तक (प्रतिदिन)

स्थान: शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, पटना जंक्शन, पटना साहिब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जंक्शन, बाढ़, मोकामा, हाथीदा जंक्शन, बड़हिया, लक्खीसराय जंक्शन, किऊल जंक्शन, कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जंक्शन, बरियारपुर और सुल्तानगंज स्टेशन।

04016/04015 आनन्द विहार(टर्मि.)-सीतामढ़ी-आनन्द विहार(टर्मि.) आरक्षित त्यौहार विशेष एक्स. (प्रतिदिन) | 122 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04016 ↓		स्टेशन	↑ रेलगाड़ी सं. 04015	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	15:30	आनन्द विहार(टर्मि.)	18:15	---
15:00	---	सीतामढ़ी	---	16:30

चलने के दिन: **04016 आनन्द विहार(टर्मि.) से** दिनांक 20.09.2025 से 15.10.2025 एवं 27.10.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04015 सीतामढ़ी से** दिनांक 21.09.2025 से 16.10.2025 एवं 28.10.2025 से 01.12.2025 तक (प्रतिदिन)

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ जं., गोण्डा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनियां स्टेशन।

09639/09640 मदार जं.-रोहतक जं.-मदार जं. आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) | 60 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09639 ↓		स्टेशन	↑ रेलगाड़ी सं. 09640	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	04:30	मदार जं.	22:35	---
12:50	---	रोहतक जं.	---	13:20

चलने के दिन: **09639 मदार जं. से** और **09640 रोहतक जं. से** दिनांक 01.09.2025 से 30.09.2025 तक (प्रतिदिन)।

स्थान: सामान्य

ठहराव: किशनगढ़, नरेना, फुलेरा जं., रेनवाल, बधाल, रींगस जं., श्रीमाधोपुर, कांवट, भगेगा, नीम का थाना, मांवड़ा, डाबला, निजामपुर, नारनौल, अटेली, कुण्ड, रेवाड़ी जं., गोकलगढ़, झज्जर और अस्थल बोहर जं. स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

Asia Cup 2025: टूर्नामेंट से पहले बदली गई टाइमिंग

अब भारतीय समयानुसार इतने बजे शुरू होंगे मुकाबले

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 की 9 सितंबर से शुरुआत होने जा रही है। 28 सितंबर को टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। लीग के सभी मैच यूएई में खेले जाने हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के कारण इस बार टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है। 8 टीमों के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट में बड़ा बदलाव किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार मुकाबलों के टाइम में बदलाव किया गया है।

8 बजे शुरू होंगे मुकाबले

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, एशिया कप के शाम के मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे (स्थानीय समयानुसार 6.30 बजे) शुरू होंगे। संयुक्त अरब अमीरात में गर्मी को देखते हुए ऐसा किया गया है। प्रसारणकर्ता से अनुरोध किया गया था और लगता है कि उन्होंने इस पर सहमति दे दी है। पहले ये मैच शाम 7.30 बजे शुरू होने वाले थे। एशिया कप 2025 में 8 टीमों के बीच 19 मैच खेले जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार फाइनल समेत 18 मुकाबलो का समय बदला गया है। सितंबर में जब टूर्नामेंट खेला जाएगा, तब दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने और देर शाम तक ऐसे ही रहने की उम्मीद है। टूर्नामेंट में इकलौता डबल हेडर मैच 15 सितंबर को खेला जाएगा। संयुक्त अरब अमीरात बनाम ओमान की टक्कर दिन में होगी वहीं श्रीलंका बनाम हांगकांग का मुकाबला शाम को होगा। ऐसे में यूएई और ओमान के बीच होने वाले मैच का समय नहीं बदला है। यह मैच भारतीय समयानुसार शाम 5:30 बजे शुरू होगा।

भारत का शेड्यूल

10 सितंबर : भारत बनाम यूएई
14 सितंबर : भारत बनाम पाकिस्तान
19 सितंबर : भारत बनाम ओमान

सुपर फोर का शेड्यूल

20 सितंबरः बी1 बनाम बी2
21 सितंबरः ए1 बनाम ए2
23 सितंबरः ए2 बनाम बी1
24 सितंबरः ए1 बनाम बी2
25 सितंबरः ए2 बनाम बी2
26 सितंबरः ए1 बनाम बी1
28 सितंबरः फाइनल

एशिया कप 2025 का पूरा शेड्यूल

9 सितंबर : अफगानिस्तान v/s हांगकांग
10 सितंबर : भारत बनाम यूएई
11 सितंबर : बांग्लादेश बनाम हांगकांग
12 सितंबर : पाकिस्तान बनाम ओमान
13 सितंबर : बांग्लादेश बनाम श्रीलंका
14 सितंबर : भारत बनाम पाकिस्तान
15 सितंबर : श्रीलंका बनाम हांगकांग
15 सितंबर : यूएई बनाम ओमान
16 सितंबर : बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान
17 सितंबर : पाकिस्तान बनाम यूएई
18 सितंबर : श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान
19 सितंबर : भारत बनाम ओमान

IPL 2026 से पहले राजस्थान को लगा झटका

राहुल द्रविड़ ने फ्रेंचाइजी से नाता तोड़ा

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने पुष्टि की है कि पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ ने आगामी आईपीएल 2026 सीजन से पहले मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। फ्रैंचाइजी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से यह घोषणा की। जिससे द्रविड़ का रॉयल्स के साथ मुख्य कोच का कार्यकाल समाप्त हो गया। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद द्रविड़ 2025 सीजन के लिए रॉयल्स टीम में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए। आईपीएल में उनकी वापसी को एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा गया क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट के शुरुआती वर्षों में एक खिलाड़ी के रूप में राजस्थान रॉयल्स का प्रतिनिधित्व किया था। हालांकि रॉयल्स उनके नेतृत्व में खिताब नहीं जीत पाई लेकिन द्रविड़ की मौजूदगी ने टीम में स्थिरता और विकास पर जोर दिया। युवा प्रतिभाओं को निखारने पर जोर देने के लिए जाने वाले द्रविड़ ने उभरते खिलाड़ियों का समर्थन करने और टीम के माहौल में एक अनुशासित संस्कृति स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। द्रविड़ ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब आईपीएल से लगातार जुड़े रहने के बाद अब वे फ्रैंचाइजी क्रिकेट के दबाव भरे माहौल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहते है। हालांकि एक मेंटर के रूप में उनकी विरासत अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल दोनों स्तरों पर अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को प्रभावित करती रहेगी।

एशिया कप से पहले एमएस धोनी को BCCI का ऑफर?

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से कुछ ही महीने पहले एक खबर सामने आई है, जो भारतीय क्रिकेट में भूचाल ला सकती है. दरअसल एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि BCCI एमएस धोनी को दोबारा से मेंटॉर रोल देना चाहती है. धोनी इससे पहले 2021 टी20 वर्ल्ड कप के समय टीम इंडिया के मेंटॉर बने थे, उस समय हेड कोच रवि शास्त्री थे. रिपोर्ट अनुसार धोनी को ऑफर दिया जा चुका है, लेकिन वो शायद इसे स्वीकार नहीं करेंगे.

कुछ अन्य रिपोर्ट्स में कहा गया कि एमएस धोनी IPL 2026 के बाद इंडियन प्रीमियर लीग को भी अलविदा कह सकते हैं. आईपीएल 2026 का आरंभ 2026 टी20 वर्ल्ड कप के समापन से अगले महीने ही शुरू हो जाएगा. इस बात में कोई संदेह नहीं कि एमएस धोनी का रहना, अगली जनरेशन के खिलाड़ियों के लिए काफी मददगार साबित होगा, लेकिन उनके सोचने की प्रक्रिया गौतम गंभीर से काफी अलग हो सकती है.

टी20 वर्ल्ड चैंपियन कप्तान एमएस धोनी

सबसे पहला टी20 वर्ल्ड कप 2007 में खेला गया, जिसके फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 रनों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी. उसके बाद 2014 में भारतीय टीम ने एमएस धोनी की ही कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल खेला था, दुर्भाग्यवश इस बार टीम इंडिया को 6 विकेट से शिकस्त का सामना करना पड़ा था.

टीम इंडिया के मेंटॉर बनेंगे एमएस धोनी?

क्रिकब्लॉगर के हवाले से BCCI के एक सूत्र ने बताया कि एमएस धोनी मेंटॉर बनकर भारतीय क्रिकेट में अगली पीढ़ी की टीम तैयार करने में मददगार रह सकते हैं. यह भी कहा गया कि धोनी शायद ही इस ऑफर को स्वीकार करेंगे, और उनके ऐसा करने के पीछे वजह होंगे गौतम गंभीर. 2021 में जब एमएस धोनी मेंटॉर बने थे, तब भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल तक भी नहीं जा सकी थी.

पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी ने बरपाया कहर

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होनी है. इससे पहले पाकिस्तान टीम टी20 ट्राई सीरीज खेल रही है. ट्राई सीरीज में पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान और यूएई की टीम हैं. इस दौरान शुक्रवार को पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच मैच खेला गया. इस मैच में शाहीन अफरीदी ने दो विकेट चटकाए. अफरीदी ने इस दौरान भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में पीछे छोड़ दिया है. अफरीदी ने विकेट लेने के मामले में बुमराह को छोड़ा पीछे अफरीदी ने अफगानिस्तान के खिलाफ सिर्फ 21 रन देकर दो विकेट चटकाए. अफरीदी ने सबसे पहले इब्राहिम जादरान को बोल्ड कर पहला विकेट लिया. वहीं दूसरा विकेट भी अफरीदी ने मुजीब उर रहमान को बोल्ड मारकर लिया. इस दौरान उन्होंने टी20 क्रिकेट में विकेट लेने के मामले में बुमराह को पीछे छोड़ दिया.

बुमराह ने अब टी20 क्रिकेट में 20.22 की औसत से 245 मैचों में 313 विकेट झटके हैं. इस दौरान उनका इकॉनमी रेट 6.88 का रहा है. वहीं अफरीदी ने 225 मैचों में 20.97 की औसत से 314 विकेट ले चुके हैं. अफरीदी का इकॉनमी रेट 7.93 का रहा है.

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 39 रनों से हराया

पाकिस्तान ने मैच में पहले बल्लेबाजी की. पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 20 ओवरों में 182 रन बनाए. पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान सलमान आगा ने बनाए. सलमान ने 36 गेंदों में 53 रनों की पारी खेली. सलमान ने तीन चौके और तीन छक्के जड़े. अफगानिस्तान की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट फरीद मलिक ने लिए. फरीद ने पाकिस्तान के दो विकेट चटकाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम 19.5 ओवर में सिर्फ 143 रनों पर ऑलआउट हो गई.

जसप्रीत बुमराह को छोड़ा पीछे

भारत के इस खूंखार गेंदबाज ने जब 6 गेंदों पर चटका दिए 6 विकेट....

नई दिल्ली। क्रिकेट ऐसा रोमांचक खेल है जहां हर गेंद पर तस्वीर बदल सकती है, वहीं कभी-कभी ऐसा भी हो जाता है जिसे सुनकर यकीन करना मुश्किल हो जाए। ऐसा ही एक चमत्कार हुआ था साल 2021 में, जब युवा गेंदबाज़ हर्षित सेठ ने क्रिकेट की परंपराओं को चौंकाते हुए लगातार 6 गेंदों पर 6 विकेट चटका दिए। यह कमाल किसी दिग्गज इंटरनेशनल खिलाड़ी ने नहीं, बल्कि भारतीय मूल के 20 वर्षीय स्पिनर हर्षित सेठ ने अंजाम दिया, जो संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के लिए खेलते हैं। बाएं हाथ के इस फिरकी गेंदबाज़ ने कारवां अंडर-19 ग्लोबल टी20 लीग में यह अद्भुत उपलब्धि हासिल की थी।

मैच खेला गया था UAE के अजमान शहर में, जहां हर्षित की टीम DCC Starlets ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 137/6 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम हैदराबाद हॉक्स ने शानदार शुरुआत की थी और स्कोरबोर्ड पर 12/0 था। लेकिन तभी आए हर्षित सेठ -- और तूफान बन गए। उन्होंने अपने पहले ओवर की आखिरी 4 गेंदों पर 4 विकेट लिए, और फिर अगले ओवर की पहली दो गेंदों पर दो विकेट झटक कर कर दी डबल हैट्रिक पूरी। कुछ ही मिनटों में स्कोर 12/0 से 16/9 हो गया।

प्रदर्शन जिसने हिला दिया सबको

हर्षित का फाइनल बॉलिंग फिगर था: 4 ओवर, 2 मेडन, 4 रन, 8 विकेट उनकी घातक गेंदबाज़ी के आगे विपक्षी टीम सिर्फ 44 रन पर ढेर हो गई और उनकी टीम ने मुकाबला 93 रन से जीत लिया।

औकिब नबी ने दलीप ट्रॉफी में रचा इतिहास

4 गेंदों में 4 विकेट, एलीट लिस्ट में हुए शामिल

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करते हुए जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी ने गेंद से कहर बरपाते हुए बेंगलुरू में नोर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन मैच में चार गेंदों में चार विकेट लेकर शानदार हैट्रिक ली। औकिब पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी सबसे सफल तेज गेंदबाज रहे। उन्होंने फरवरी में अपने आखिरी प्रथम श्रेणी मैच में भी छह विकेट लिए थे। दलीप ट्रॉफी में देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। नोर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन मैच में उन्होंने अपने पहले आठ ओवरो में कोई विकेट नही लेने के बाद सिर्फ 13 गेंदों में पांच विकेट चटकाए। औकिब ने शुरुआत में तो गेंद से कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया लेकिन उनके प्रदर्शन में बदलाव आया। जिससे अंततः नोर्थ जोन को बड़ी बढ़त हासिल हुई।

रैना ने किया 2027 वनडे विश्व कप के लिए रोहित और विराट का समर्थन

कहा- उनके पास काफी अनुभव

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को 2027 के वनडे विश्व कप में खेलना चाहिए क्योंकि वे न केवल पहले खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे है बल्कि उनके पास इस बड़े टूर्नामेंट के लिए आवश्यक अनुभव भी है। दोनों खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं लेकिन वे वनडे विश्व कप जीतने का सपना अभी भी पूरा कर सकते है। रोहित और विराट के भारतीय टीम में भविष्य को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही है। अटकलें इस पर भी है कि दो साल बाद होने वाले विश्व कप में वे भारतीय टीम का हिस्सा होंगे या नही। विश्व कप शुरू होने तक रोहित 40 साल के हो जाएंगे जबकि विराट 39 साल के। दोनों को वनडे विश्व कप में खेलने के लिए भारतीय टीम द्वारा खेले जाने वाले एकदिवसीय मैचों में नियमित रूप से हिस्सा लेना होगा। रैना ने कहा, 'रोहित और कोहली को 2027 का वनडे विश्व कप खेलना चाहिए क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित और विराट दोनों के पास बहुत अनुभव है। मुझे लगता है कि वे 2027 के विश्व कप में जरूर खेलेंगे। उन्हें खेलना चाहिए।' रोहित और विराट दोनों के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली भारत की आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने की संभावना है। इस दौरे के बाद भारतीय टीम नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला भी खेलेगी। रोहित और विराट ने इन दोनों श्रृंखलाओं की तैयारी शुरू कर दी है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज का क्रेज

50 दिन पहले ही इंडियन फैन जोन के सभी टिकट बिके

नई दिल्ली। भारतीय टीम व्हाइट बॉल क्रिकेट के लिए अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। सीरीज को शुरू होने में अब भी 50 दिन बाकी हैं और उससे पहले ही इंडियन फैन जोन के सभी टिकट बिक गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को इसकी घोषणा की। वहीं बोर्ड ने ये भी बताया कि अन्य स्टेडियम के टिकट भी काफी बिक रहे हैं।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ₹क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत के खिलाफ आगामी पुरुष वनडे सीरीज के लिए सभी आठ वेन्यू पर समर्पित भारतीय प्रशंसक क्षेत्र अब आधिकारिक तौर पर बिक चुके हैं।₹ इसके अलावा सिडनी और कैनबरा में होने वाले मैचों के सार्वजनिक टिकट भी बिक चुके हैं।" भारत का वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसके मैच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद दिसंबर में भारत घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलेगा। भारतीय टीम 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो बार, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ वनडे सीरीज में खेलेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कार्यकारी महाप्रबंधक जोएल मॉरिसन ने कहा, ₹हम सभी आठ आयोजन स्थलों पर भारतीय फैन जोन्स को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया से बेहद उत्साहित हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर गोविंदा पथकों का किया गया सम्मान

मुंबई। महाराष्ट्र शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग अंतर्गत जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय, मुंबई उपनगर द्वारा मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन उत्तर भारतीय संस्था हॉल, बांद्रा (पूर्व), मुंबई में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आशीष शेलार (मंत्री, सूचना एवं प्रौद्योगिकी तथा सांस्कृतिक कार्य तथा पालकमंत्री, मुंबई उपनगर जिला) ने की। साथ ही प्रमुख अतिथि के रूप में सौरभ काटियार (जिलाधिकारी, मुंबई उपनगर), पी. स्वामी रंगास्वामी (समर ओलंपिक खिलाड़ी एवं अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी) तथा विपुल घोष (द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी) उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुंबई उपनगर जिले के विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले, छत्रपति राज्य खेल पुरस्कार प्राप्त 11 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही पारंपरिक खेल दहीहंडी की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले पथकों का भी सम्मान किया गया, जिनमें – पार्ले स्पोर्ट्स महिला गोविंदा पथक (सात मंज़िल का विश्व रिकॉर्ड),कोकण नगर गोविंदा पथक, जय जवान गोविंदा पथक (दस मंज़िल का विश्व रिकॉर्ड) का विशेष सम्मान पालकमंत्री, जिलाधिकारी तथा उपस्थित मान्यवरों के हाथों से किया गया। कार्यक्रम के दौरान योगा और दहीहंडी खेलों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय ने जिले की खेल उपलब्धियों तथा विभिन्न उपक्रमों की जानकारी दी और आज के युग में पढ़ाई के साथ-साथ खेलों के महत्व पर मार्गदर्शन किया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि शासन की ओर से खिलाड़ियों को आवश्यक हर प्रकार की सहायता प्रदान की जाएगी। पालकमंत्री महोदय ने अपने भाषण में कहा कि मुंबई उपनगर जिले में आने वाले वर्षों में जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय अंतर्गत एक आधुनिक खेल संकुल विकसित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न खेलों की सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों को जिले का नाम रोशन करने के लिए विशेष धन्यवाद दिया।

इस कार्यक्रम का प्रस्तावना भाषण रश्मी आंबेडकर (जिला क्रीड़ा अधिकारी) ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक एवं खिलाड़ी उपस्थित थे। जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष प्रयास किए। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दलीप ट्रॉफी: डबल सेंचुरी की तरफ बढ़े कप्तान अंकित कुमार

नॉथ जोन की बढ़त 550 रनों के पार

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल-1 में नॉर्थ जोन के लिए कप्तान अंकित कुमार ने धूम मचा दी है। खेल के तीसरे दिन की समाप्ति तक अंकित ने 264 गेंद में 168 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 16 चौके और 1 छक्का भी लगाया। अंकित की इस दमदार पारी के कारण ही नॉर्थ जोन की टीम अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर 388 रन बनाए लिए। इसके साथ टीम के पास अब 563 रन की विशाल लीड हो गई है। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में जारी इस मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ जोन की टीम ने पहली पारी में 405 रन बनाए। टीम के लिए कन्हैया वधावन ने 152 गेंदों में सर्वाधिक 76 रन बनाए। इनके अलावा आयुष बडोनी ने 60 गेंदों में 63 रन की पारी खेली थी। विपक्षी टीम की ओर से मनीषी ने 111 रन देकर सर्वाधिक 6 विकेट चटकाए, जबकि सूरज जायसवाल को 2 विकेट हाथ लगे। इसके जवाब में नॉर्थ जोन की टीम पहली पारी में महज 230 रन पर सिमट गई।

इसके जवाब में ईस्ट जोन की शुरुआत बहुत ही खराब रही। ईस्ट जो ने महज 66 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए। यहां से कप्तान रियान पराग ने टीम को संभाला, लेकिन उसे विशाल स्कोर तक नहीं पहुंचा सके। ईस्ट जोन की ओर से विराट सिंह ने सर्वाधिक 69 रन बनाए। इनके अलावा, उत्कर्ष सिंह ने 38, जबकि रियान पराग ने 39 रन जुटाए।

एशिया कप के एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड किसके नाम?

नई दिल्ली। एशिया कप के एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भारतीय दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के नाम है. कोहली ने ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ साल 2012 में बनाया था. कोहली का ये रिकॉर्ड पिछले 13 साल से कोई नहीं तोड़ पाया है. कोहली इस लिस्ट में इकलौते भारतीय हैं. वहीं इस लिस्ट में पाकिस्तान के तीन बल्लेबाज शामिल है, जबकि एक बल्लेबाज बांग्लादेश का है.

विराट कोहली

भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली एशिया कप के एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. कोहली ने साल 2012 में 330 रनों का पीछा करते हुए शानदार 183 रनों की पारी खेली थी. जिसकी वजह से भारतीय टीम ने ये मैच 13 गेंद रहते ही जीत लिया. कोहली ने अपने पारी में 22 चौके और एक छक्का जड़ा था.

बाबर आजम

पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं. बाबर ने नेपाल के खिलाफ साल 2023 में 131 गेंदों में 151 रनों की पारी खेली थी. इस पारी में बाबर ने 14 चौके और 4 छक्के लगाए थे. बाबर का इस दौरान 115.26 का स्ट्राइक रेट रहा था.

यूनिस खान

पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज यूनिस खान इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं. यूनिस ने साल 2004 में हांगकांग के खिलाफ 122 गेंदों में 144 रनों की पारी खेली थी. यूनिस ने इस पारी में 8 चौके और तीन छक्के जड़े थे. यूनिस का स्ट्राइक रेट 118.03 का था.

मुशफिकुर रहीम

बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं. रहीम ने साल 2018 में श्रीलंका के खिलाफ 150 गेंदों में 144 रनों की पारी खेली थी. रहीम ने इस पारी में 11 चौके और चार छक्के लगाए. रहीम का इस दौरान 96 का स्ट्राइक था.

ट्रंप ने फोन पर कही ऐसी बात, भड़क गए थे मोदी!

ट्रंप चाहते थे कि पीएम मोदी उन्हें उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करें

नई दिल्ली

अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद दोनों देशों के रिश्तों में दूरियां बढ़ गई है। हालांकि भारत-अमेरिका के मौजूदा रिश्ते अचनाक नहीं बिगड़े। ट्रंप ने बार-बार कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराई थी, लेकिन भारत ने हर बार उनके दावे को खरिज किया। पाकिस्तान ने जब ट्रंप का नाम नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया तो अमेरिकी राष्ट्रपति भारत से भी यही आस लगाए बैठे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक 17 जून 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी को फोन किया। ट्रंप चाहते थे कि पीएम मोदी उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करें। दोनों नेताओं के बीच करीब 35 मिनट तक बात हुई। ट्रंप की मांग पर पीएम मोदी भड़क गए थे। ट्रंप ने फोन कॉल पर कहा, 'पाकिस्तान उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने वाला है।' इसका मतलब था कि वह चाहते थे कि भारत भी ऐसा करे। हालांकि वे खुद से भी नोबेल पुरस्कार को लेकर अभियान चला रहे थे। ट्रंप के इस कॉल पर पीएम मोदी भड़क गए और दो टूक कहा कि भारत-पाकिस्तान सीजफायर में अमेरिका का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि सीजफायर भारत और पाकिस्तान के बीच तय हुआ था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप ने पीएम मोदी के इन बातों को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन नोबेल पुरस्कार के लिए उनका ट्रंप को नॉमिनेट नहीं करना अमेरिकी राष्ट्रपति के मन में खटास पैदा कर दिया।

ITR के लिए आयकर विभाग भेज रहा मैसेज

3 लाख सालाना सैलरी वाले फाइल करें या नहीं?

नई दिल्ली

जिन लोगों का आयकर ऑडिट नहीं होता, उनके लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2025 है। अब केवल तीन हफ्ते बचे हैं और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इस बारे में SMS रिमाइंडर भेजना शुरू कर दिया है। आयकर विभाग की ओर से भेजे जा रहे SMS में लिखा है- अब तक 3 करोड़ से ज्यादा आईटीआर दाखिल किए जा चुके हैं! कृपया 15.09.25 से पहले ई-फाइलिंग पोर्टल पर AY 2025-26 के लिए अपना आईटीआर दाखिल और ई-वेरिफिकेशन करें। ऐसे में अब सवाल है कि किसके लिए आयकर रिटर्न दाखिल करना जरूरी है। क्या उन लोगों के लिए भी रिटर्न फाइल करना जरूरी है, जिसकी सालाना सैलरी 3 लाख रुपये तक है? नांगिया एंड कंपनी एलएलपी की कार्यकारी निदेशक

संजोली माहेश्वरी ने कहा- वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की आय सीमा टैक्सपेयर की कुल आय और चुने गई टैक्स रिजीम यानी पुरानी या नई टैक्स रिजीम पर आधारित है। संजोली माहेश्वरी ने कहा- यदि टैक्सपेयर की कुल आय मूल छूट सीमा से अधिक है तो टैक्सपेयर को अनिवार्य रूप से आईटीआर दाखिल करना चाहिए। नई टैक्स व्यवस्था के लिए मूल छूट सीमा 3 लाख रुपये और पुरानी टैक्स व्यवस्था के लिए 2.5 लाख रुपये है। आईटीआर फॉर्म एक (सहज) और आईटीआर फॉर्म चार (सुगम) सरल फॉर्म हैं जो बड़ी संख्या में छोटे तथा मध्यम करदाताओं की जरूरतों के अनुरूप हैं।

भारत हर कदम पर यूक्रेन के साथ

पीएम मोदी ने जेलेंस्की से की बात

जल्द शांति बहाली का आश्वासन

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से टेलीफोन पर बात की। उन्होंने कहा कि भारत हर कदम पर यूक्रेन के साथ है। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन को लेकर हालिया डेवलपमेंट्स पर अपना नजरिया साझा किया। पीएमओ ने इस बारे में जानकारी साझा की है। पीएम मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया और साथ ही जल्द शांति बहाली का आश्वासन भी दिया। प्रधानमंत्री ने जेलेंस्की से कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत इस दिशा में सभी जरूरी सहायता उपलब्ध कराएगा। बता दें कि यह महीने भर में दूसरी बार है जब पीएम मोदी ने जेलेंस्की से बात की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसको लेकर ट्वीट किया है। जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा है कि मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। मैंने उनसे बताया कि वॉशिंगटन में यूरोपियन नेताओं की मौजूदगी में मेरे और ट्रंप के बीच क्या बातचीत हुई थी। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि यूक्रेन अब भी रूस के साथ बातचीत के लिए तैयार है। जेलेंस्की ने लिखा है कि इन बातों को करीब दो हफ्ते का वक्त बीत चुका है, लेकिन रूस की तरफ से कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिला है। इसके बदले उन्होंने हमारे सिविलियन ठिकानों पर बमबारी की और दर्जनों नागरिकों को मारा है। जेलेंस्की ने आगे लिखा है कि पीएम मोदी ने यूक्रेन के पीड़ित परिवारों को दिलासा दी। उन्होंने मृत आत्माओं की शांति की कामना की है। इसके लिए मैंने पीएम मोदी का धन्यवाद अदा किया।

वित्त मंत्री सीतारमण ने स्टालिन पर साधा निशाना

कहा- कुछ ताकतों ने मूपनार को पीएम बनने से रोका

चेन्नई

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कुछ ताकतों ने तमिल मनीला कांग्रेस के संस्थापक और दिवंगत नेता जी के मूपनार को देश का प्रधानमंत्री बनने से रोका। मूपनार की 24वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि ये ताकतें जो अक्सर तमिल, तमिल संस्कृति और तमिल भाषा को बढ़ावा देने की बात करती हैं, ये वही ताकतें हैं, जिन्होंने अवसर आने पर मूपनार को प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने से रोका। सीतारमण ने कहा कि अपने कॉलेज के दिनों में जब उनकी राजनीति में रुचि उभर रही थी, तब वे मूपनार को तमिलनाडु के एक व्यापक रूप से सम्मानित व्यक्ति के रूप में देखती थीं। मूपनार अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं और वह एक राष्ट्रवादी नेता थे। वह देशभर में एक सम्मानित नेता थे। उन्हें बिहार ही नहीं, हरियाणा और देश के कोने-कोने में जाना जाता था। सीतारमण ने आरोप लगाया कि मूपनार का कद प्रभावशाली था। उन्हें जानने वाले लोग उनकी बातों का सम्मान करते थे और एकजुट होकर काम करते थे। हालांकि जब उनके प्रधानमंत्री बनने का अवसर आया तो कुछ ताकतों ने उन्हें रोक दिया। हम सभी जानते हैं कि वे कौन-सी ताकतें थीं, जिन्होंने उन्हें प्रधानमंत्री बनने से रोका। सीतारमण ने कहा कि ऐसी घटना को भुलाया नहीं जा सकता। मुझे लगता है कि यह तमिलनाडु के लिए अब तक का सबसे बड़ा विश्वासघात है। उन्होंने कहा कि मेरी टिप्पणी को राजनीतिक नहीं समझा जाना चाहिए, क्योंकि यह कार्यक्रम मूपनार को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया गया था। तमिलनाडु में 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में केंद्रीय मंत्री ने आगामी चुनावों के दौरान तमिलनाडु की राजनीति में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया।

ममता बनर्जी ने खोल दिया केंद्र के खिलाफ मोर्चा

SIR पर सेंसर मोशन की तैयारी, बुलाया विशेष सत्र

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सत्तारूढ़ टीएमसी और बीजेपी दोनों ने जोरदार तैयारियां शुरू कर दी हैं। पश्चिम बंगाल की सरकार 1 से 4 सितंबर तक विधानसभा का विशेष सत्र बुला रही है। इसमें बीजेपी शासित राज्यों में बंगालियों के साथ कथित अत्याचार को लेकर सेंसर मोशन लाया जा सकता है। इसके अलावा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के खिलाफ भी विधानसभा में प्रस्ताव किया जा सकता है।

बता दें कि चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर करवाया है, जिसका विपक्ष पुरजोर विरोध कर रहा है। बंगाल में तीन दिन विधानसभा का विशेष सत्र चलेगा। ममता बनर्जी

ने कई बार राजस्थान से ओडिशा तक बंगालियों पर होने वाले अत्याचार को लेकर बीजेपी पर हमला किया है। ममता बनर्जी ने दूसरे राज्यों से वापसे आने वाले बंगालियों के लिए श्रमश्री योजना की भी शुरुआत की है। इसके तहत मजदूरों को 5 रुपये प्रति महीने की आर्थिक सहायता दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक विधानसभा में टीएमसी एसआईआर का विरोध करेगी। कई जानकारों का कहना है कि चुनाव आयोग बंगाल में भी विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर करवा सकता है। उधर राहुल गांधी बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे हैं। टीएमसी नेता यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के अंतिम चरण में सोमवार को हिस्सा लेकर अपनी पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। पार्टी सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस दोनों ही 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक हैं। बिहार में जारी कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' के तहत शुक्रवार को सीवान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया था कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ''निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से वोट चोरी करते पकड़ी गई है', इसलिए भाजपा के नेता घबरा गए हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची से 65 लाख लोगों के नाम हटाना उनके मताधिकार पर हमला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा 17 अगस्त को शुरू की गई इस यात्रा का उद्देश्य बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के माध्यम से लोगों के मतदान के अधिकार पर कथित हमले को उजागर करना है।

वैष्णो देवी में हुई लैंडस्लाइड ने ली 34 लोगों की जान

- अब तीन सदस्यीय कमेटी करेगी जांच

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने माता वैष्णो देवी के मार्ग अर्धकुंवारी पर हुई लैंडस्लाइड की जांच के आदेश दे दिए हैं। तीन सदस्य कमेटी अब इस हादसे की विस्तृत जांच करने वाली है, समझने का प्रयास रहेगा आखिर चूक कहां पर हुई, लापरवाही किसकी रही। बताया जा रहा है कि यह जांच कमेटी सिर्फ गलतियों पर ध्यान केंद्रित नहीं करेगी बल्कि ऐसे क्या उपाय किए जाए,

जिससे भविष्य में इस प्रकार के हादसों से बचा जाए, इसको भी प्राथमिकता दी जाएगी। जांच कमेटी को दो हफ्ते का समय दिया गया है, इसी समय सीमा के अंदर उन्हें इस हादसे की एक विस्तृत रिपोर्ट वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष के सामने पेश करनी होगी। खबर है कि इस कमेटी की अध्यक्षता जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव करने जा रहे हैं, उनके अलावा जम्मू के संभागीय आयुक्त और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक भी इसमें शामिल होंगे।

गोले दागने के लिए लांचर बना रहे थे माओवादी

सुरक्षा बलों ने बरामद किए हथियार और गोला-बारूद

नई दिल्ली। सुरक्षा बलों ने बताया है कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में माओवादियों के साथ मुठभेड़ के बाद उन्हें हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा मिला है। सुरक्षा बलों को लंबे पाइप भी मिले हैं। पुलिस का कहना है कि माओवादी लंबी दूरी तक निशाना बनाने वाले हथियार बनाने के लिए इन पाइपों का इस्तेमाल कर रहे थे। नारायणपुर जिले के पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन गुरिया ने बताया कि सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई लेकिन वे भाग निकले। उन्होंने बताया कि हमने एक लाइट मशीन गन भी जब्त की है और यह बेहद खतरनाक साबित हो सकती

थी। सुरक्षा बलों ने माओवादियों से जो हथियार बरामद किए हैं, उनमें एक एके-47, एक इंसास राइफल, एक सेल्फ लोडिंग राइफल, एक 51 एमएम मोर्टार, एक 9 एमएम पिस्तौल, एक देसी पिस्तौल, आठ बैरल ग्रेनेड लांचर, तीन .303 राइफल, चार 12 बोर राइफल सहित 100 बीजीएल गोले, आठ देसी ग्रेनेड, एक हथगोला और गोला-बारूद शामिल है।

'बेलगाम ताकत का इस्तेमाल नहीं कर सकती पुलिस'

हाईकोर्ट ने नागरिकों की स्वतंत्रता को लेकर की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश गोहत्या निवारण अधिनियम के तहत 8 साल पहले दर्ज किए गए एक केस की हिस्ट्रीशीट को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बंद करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही इलाहाबाद उच्च हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस नागरिकों को दी गई मौलिक स्वतंत्रता को कम करने के लिए "बेलगाम और अनियंत्रित शक्ति" का प्रयोग नहीं कर सकती है। अपने आदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस को निगरानी रजिस्टर में केवल व्यक्तिगत पसंद या नापसंद के आधार पर मनमाने ढंग से व्यक्तियों के नाम दर्ज करने का कोई अप्रतिबंधित लाइसेंस नहीं है।

दरअसल ये मामला मोहम्मद वजीर द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई का है। सिद्धार्थनगर के पुलिस अधीक्षक ने हिस्ट्रीशीट संख्या -18-ए को बंद करने के याचिकाकर्ता के आवेदन को खारिज कर दिया था। 23 जून के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने रिट लगाई थी और मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की थी। आवेदन को सर्किल ऑफिसर और स्टेशन हाउस ऑफिसर, भवानीगंज, सिद्धार्थ नगर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर खारिज कर दिया गया था, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस विनियमन के प्रावधानों, विशेष रूप से पैराग्राफ 228 और 240 (जो हिस्ट्रीशीट खोलने से संबंधित है) का उल्लेख किया गया था। इसको लेकर हाईकोर्ट ने कहा कि हमें तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर मामले की जांच करनी होगी। हमारा मानना है कि विनियमन 228 और 240 पुलिस को बेलगाम, अनियंत्रित शक्ति नहीं देते हैं जिसका इस्तेमाल वह इस तरह करे जिससे नागरिक की मौलिक स्वतंत्रता का हनन हो। हिस्ट्रीशीटर के मामले में अदालत ने क्या कहा?

बैंक मैनेजर ने कैंटीन में बीफ पर लगाया बैन

विरोध में कर्मचारी करने लगे बीफ पार्टी

तिरुवनंतपुरम

केरल में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कोच्चि के एक बैंक में मैनेजर ने कैंटीन में बीफ पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके विरोध में बैंक कर्मचारियों ने बीफ पार्टी का आयोजन कर डाला। जानकारी के मुताबिक बैंक के रीजनल मैनेजर मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। उनकी हाल ही में केरल के कोच्चि स्थित बैंक की शाखा में नियुक्ति हुई है। बैंक एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (BEFI) के सदस्यों ने अधिकारियों के कथित मानसिक उत्पीड़न को लेकर मैनेजर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। लेकिन बीफ पर प्रतिबंध लगने के बाद विरोध को नई

दिशा मिल गई। प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस के बाहर बीफ और परोटा (एक तरह की ब्रेड) परोसी। इस प्रदर्शन को केरल के कुछ नेताओं ने भी समर्थन दिया। लेफ्ट समर्थित निर्दलीय विधायक केटी जलील इस प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि केरल में संघ परिवार के किसी भी एजेंडा को अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, 'क्या पहना जाए, क्या खाया जाए, क्या सोचा जाए इसे वरिष्ठ लोग तय नहीं करेंगे। हमारी जमीन लाल है। इस जमीन का दिल लाल है, जहां तक लाल झंडा फहरा रहा है, आप बिना किसी डर के फासीवाद के खिलाफ बोल सकते हैं।

पसंदीदा खाना सबका अधिकार

बैंक फेडरेशन के एक नेता एसएस अनिल ने कहा कि यहां पर एक छोटी कैंटीन चलती है। चुनिंदा दिनों पर बीफ परोसा जाता है। मैनेजर ने कैंटीन स्टाफ से कहा कि अब बीफ नहीं परोसा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बैंक संविधान के अनुसार चलता है। खाना निजी पसंद का विषय है। भारत में हर व्यक्ति को अधिकार है कि वह क्या खाएगा।

महुआ मोइत्रा की शाह पर टिप्पणी से विवाद

बीजेपी ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने शाह के खिलाफ अपनी टिप्पणी के बाद एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। बंगाल बीजेपी ने दावा किया है कि मोइत्रा ने एक रैली में कहा कि अगर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह घुसपैठियों से देश की रक्षा करने में सक्षम नहीं हैं, तो उनका सिर काटकर मेज पर रख देना चाहिए। भाजपा ने वीडियो साझा करते हुए कहा, "जब महुआ गृह मंत्री का सिर काटने की बात करती हैं, तो यह टीएमसी की हताशा और हिंसक संस्कृति को उजागर करता है जो बंगाल की छवि को धूमिल कर रही है और राज्य को पीछे धकेल रही है।" वीडियो में महुआ बंगाली में बोलती सुनाई दे रही हैं, वो कहती हैं, "मैं पूछ रही हूं कि क्या हमारी सीमाओं की रक्षा करने वाला कोई नहीं है और दूसरे देशों के लोग लाखों और करोड़ों की संख्या में भारत में प्रवेश कर रहे हैं अगर वे हमारी माताओं और बहनों पर नजर रख रहे हैं अगर वे हमारी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं तो सबसे पहले शाह का सिर काटकर मेज पर रखना चाहिए।" भाजपा ने इस टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि यह बयान इस बात का सबूत है कि तृणमूल कांग्रेस अपनी हिंसक मानसिकता से बंगाल का विकास नहीं होने दे रही है।

'बहू को दहेज के लिए प्रताड़ित करने की बातें हवा'

- सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी सास को किया बरी

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कथित तौर पर दहेज के लिए बहू के साथ क्रूरता करने के 24 साल पुराने केस में ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट द्वारा दोषी करार दी गई एक सास को बरी कर दिया। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ससुराल वालों द्वारा बहू को दहेज के लिए प्रताड़ित की बातें हवा से

भी अधिक तेज फैलती हैं। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ शुक्रवार को एक याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें महिला की दोषसिद्धि और तीन साल की सजा बरकरार रखी गई थी। आरोपी सास को आईपीसी की धारा 498ए के तहत इस आधार पर दोषी ठहराया गया था कि उसकी मृत बहू ने अपने मायके वालों को दहेज उत्पीड़न होने की बातें बताई थीं। आईपीसी की धारा 498-ए, विवाहित महिला के प्रति उसके पति या उसके ससुरालवालों द्वारा की गई क्रूरता के अपराध से संबंधित है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि ने इस बात पर गौर किया कि केस में गवाह के तौर पर पेश हुई आरोपी महिला की पड़ोसी ने दावा किया कि बहू से कभी दहेज की मांग नहीं की गई थी।

'अभी तो मैं 65 साल की भी नहीं हुई हूं'

मोदी का उदाहरण देकर उमा भारती बोलीं- लड़ूंगी चुनाव

नई दिल्ली। भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने शनिवार को कहा कि कोई भी राजनीतिक दल रिटायरमेंट की उम्र तय कर सकता है, लेकिन कोई भी यह तय नहीं कर सकता कि किसी व्यक्ति की योगदान देने की क्षमता किस उम्र पर खत्म हो जाएगी। एक इंटरव्यू में मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा, "कोई भी संगठन, राजनीतिक दल, संस्था रिटायरमेंट की उम्र तय कर सकती हैं, लेकिन योगदान की नहीं। योगदान के लिए कोई उम्र नहीं है। राजनीति एक मंच है और

योगदान मेरी क्षमता है।" बीजेपी की वरिष्ठ नेता ने आगे कहा, "हां मैं चुनाव तब लड़ूंगी जब मुझे लगेगा कि मैं तैयार हूं। मेरे पास जनता की ताकत है।" पूर्व केंद्रीय मंत्री ने तर्क देते हुए कहा कि मोदी ने 65 साल की उम्र में लोकसभा चुनाव लड़ा था।

दिल्ली में बर्ड फ्लू की दस्तक

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में प्रशासन अलर्ट, 226 सैंपल भेजे लैब

ग्रेटर नोएडा

दिल्ली चिड़ियाघर में एवियन इन्फ्लुएंजा बर्ड फ्लू का मामला प्रकाश में आने के बाद गौतमबुद्धनगर प्रशासन भी सर्तक हो गया है। पशुपालन विभाग ने पशु चिकित्साधिकारियों और वन अधिकारियों को बीमारी की रोकथाम के लिए प्रोटोकॉल का पालन करने का निर्देश दिए है। वहीं वेटलैंड, पोट्री फार्म से पक्षियों के नमूने एकत्र किए जा रहे है।

16 अगस्त को रामपुर में तीन स्थानों पर पोट्री फार्म में लिए गए नमूने

में एवियन एन्फ्लूएन्जा की पुष्टि हुई थी, जिसके चलते सहारनपुर, मुज्जफरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली एवं पीलीभीत जनपदों की सीमा सील कर दी गई थी। गौतमबुद्धनगर में पशुपालन विभाग ने जिले में पोट्री फार्म से नमूने एकत्र कर जांच के लिए लैब भेज गए। जिले में 16 पोट्री फार्म है, जिनमें 1 लाख 17 हजार पक्षी है। अब तक इन फार्म में 226 नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे है। जांच में अभी तक जिले में कोई भी वर्ड फ्लू का मामला प्रकाश में नहीं आया है।

बर्ड फ्लू रोकने के लिए प्रोटोकाल

- ❑बर्ड फ्लू को रोकने के लिए प्रोटोकॉल में पक्षियों से दूरी बनाना
- ❑मृत या बीमार पक्षियों को न छूना
- ❑उचित स्वच्छता बनाए रखना
- ❑पोल्ट्री और अंडों को अच्छी तरह पकाना
- ❑उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की यात्रा से बचना शामिल है।
- ❑पोल्ट्री फार्मों को भी सुरक्षित और स्वच्छ रखना चाहिए
- ❑पोल्ट्री को ढके हुए बाड़ों में रखना चाहिए या घर के अंदर रखना चाहिए।

दिल्ली के चिड़ियाघर में बर्डफ्लू के मामले प्रकाश में आने के चलते दिल्ली के नजदीक होने के कारण गौतमबुद्धनगर में सर्तकता बढ़ा दी है। सभी पशु चिकित्साधिकारियों, वनाधिकारियों को बीमारी को फैलने से रोकने के लिए प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

-डॉ. अरुण कुमार संचान, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, गौतमबुद्धनगर

धर्मस्थल सामूहिक दफन मामला

शिकायतकर्ता चिन्नय्या से कड़ी पूछताछ

- 'स्पॉट महाजर' में जब्त हुए अहम दस्तावेज

मंगलुरु। कर्नाटक के मंगलुरु में धर्मस्थल केस की जांच एक बार फिर तेज हो गई है। एसआईटी शनिवार तड़के इस केस में गिरफ्तार गवाह और शिकायतकर्ता सीएन चिन्नय्या को कड़ी सुरक्षा में अज्ञात स्थानों पर 'स्पॉट महाजर' (घटनास्थल का प्रत्यक्ष निरीक्षण) के लिए ले गई। सुबह करीब 6 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई के दौरान टीम ने उन जगहों का दौरा किया, जो सीधे चिन्नय्या के बयानों से जुड़े थे। यहां से जांच टीम ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जब्त किए। एसआईटी के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा कारणों से 'स्पॉट महाजर' प्रक्रिया सुबह-सुबह की गई। हालांकि अभी बरामद दस्तावेजों की प्रकृति और उनकी अहमियत पर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। चिन्नय्या ने पहले दावा किया था कि धर्मस्थल परिसर में कई शवों को दफनाया गया है। इनमें यौन शोषण की शिकार महिलाओं और नाबालिग लड़कियों के शव भी शामिल थे।

हिंदू धर्म में महालक्ष्मी व्रत का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में महालक्ष्मी व्रत का विशेष महत्व है। महालक्ष्मी व्रत 16 दिनों तक रखे जाते हैं। भाद्रपद माह में शुक्ल पक्ष अष्टमी के दिन से श्री महालक्ष्मी व्रत आरंभ हो जाते हैं और आश्विन माह में कृष्ण पक्ष में अष्टमी तिथि को यह व्रत संपन्न होते हैं। मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने और जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त करने के लिए श्री महालक्ष्मी व्रत किया जाता है। इस व्रत में मां लक्ष्मी की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने से उनकी कृपा बनी रहती है। समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस व्रत में अन्न ग्रहण नहीं किया जाता है। 16वें दिन महालक्ष्मी व्रत का उद्यापन किया जाता है। इस व्रत को काफी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि जिस घर की महिलाएं इस व्रत को रखती हैं, उस घर में पारिवारिक शांति हमेशा बनी रहती है। इस साल महालक्ष्मी व्रत 31 अगस्त 2025 से शुरू हो जाएंगे और संपूर्ण 14 सितंबर 2025 को होंगे।

श्रीमहालक्ष्मी व्रत में सोलह का विशेष महत्व

इस व्रत में सोलह बार तर्पण, सोलह दीपक, सोलह बोल की कहानी, सोलह श्रृंगार, सोलह दिन का व्रत, सोलह दूर्वा, सोलह डुबकी लगाने का विधान है।

प्रदोष काल में की जाती है पूजा

इस व्रत में प्रदोष काल में की गई पूजा को शुभ बताया गया है।

मां लक्ष्मी पूजन की सामग्री :

महालक्ष्मी व्रत के दौरान पूजा के लिए कलश, घी, दीपक, फल-फूल,सुपारी, हल्दी की गांठ, रोली, कुमकुम, कपूर, पंचामृत, पान,लाल कपड़ा, 16 श्रृंगार की सामग्री, धूपबत्ती, नारियल, खीर, समेत पूजा की सभी सामग्री एकत्रित कर लें।

महालक्ष्मी व्रत के नियम :

महालक्ष्मी का व्रत 16 दिनों के लिए किया जाता है। इस दौरान खट्टी और नमक वाली चीजों के सेवन की मनाही होती है। इसके साथ ही 16 दिनों तक सुबह-शाम मां लक्ष्मी की पूजा-आराधना करें। महालक्ष्मी व्रत में व्रती के साथ परिवार के सदस्यों को भी तामसिक भोजन का सेवन न करें। केवल सात्विक भोजन करें।

कलाई की रेखाएं क्या देती हैं संकेत?

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति की हथेली पर मौजूद रेखाओं और चिन्हों का किस्मत के साथ गहरा कनेक्शन होता है। व्यक्ति के हाथ की रेखा,चिन्ह और उंगलियों की बनावट के माध्यम से प्रेम, कैरियर, स्वास्थ्य समेत जीवन के विभिन्न पहलुओं से जुड़े कई शुभ-अशुभ घटनाओं के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। हथेली पर मौजूद रेखाओं के अलावा कलाई की रेखाएं भी व्यक्ति से जुड़े कुछ विशेष पहलुओं की ओर इशारा करती हैं।

हाथ की हथेली और कलाई जहां पर जुड़ती है, वहां मौजूद रेखाओं को ब्रेसलेट लाइन कहा जाता है।

ब्रेसलेट लाइन को व्यक्ति की आयु से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि ब्रेसलेट लाइन जितनी गहरी और स्पष्ट होती है व्यक्ति उतना ही हेल्दी होता है। आइए जानते हैं ब्रेसलेट लाइन के बारे में कुछ विशेष बातें...

कितनी होगी उम्र

यही भी कहा जाता है कि व्यक्ति की ब्रेसलेट लाइन जितनी लंबी होती है। उसकी आयु उतनी ही लंबी होती है। आमतौर पर व्यक्ति की कलाई पर 2-3 ब्रेसलेट लाइन होती है। मान्यता है कि जिन लोगों की कलाई पर 3 ब्रेसलेट लाइन है। ऐसे लोगों का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहता है। जीनव सुख-सुविधाओं में व्यतीत होता है। ऐसे व्यक्ति की आयु लगभग 75 वर्ष मानी जाती है। वहीं, जिन लोगों के कलाई पर 2 ब्रेसलेट लाइन होती है। मान्यता है कि ऐसे लोगों की उम्र 50 साल तक हो सकती है। वहीं, 4 ब्रेसलेट लाइन वाले व्यक्ति को बहुत सौभाग्यशाली माना गया है। मान्यता है कि ऐसे लोग दीर्घायु होते हैं।

अच्छे हेल्थ का संकेत

मान्यता है कि यदि कलाई की पहली रेखा साफ और सीधी है। किसी भी तरह से कटी-फटी नहीं है, तो इसका मतलब है कि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वहीं,कटी-फटी और धुंधली रेखा खराब स्वास्थ्य का संकेत मानी जाती है।

मेहंदी का रंग नहीं चढ़ता गाढ़ा तो अपनाएं ये कमाल के टिप्स

त्योहारों पर महिलाएं एक से बढ़कर एक खूबसूरत डिजाइन हाथों-पैरों पर लगवाती हैं। लेकिन मेहंदी छुड़ाने के बाद अगर इसका रंग गाढ़ा नहीं चढ़ता तो बहुत बुरा लगता है। खासतौर पर अगर किसी लड़की की शादी होने वाली है और उसके हाथों पर मेहंदी का रंग गाढ़ा नहीं चढ़ता है तो सबसे ज्यादा खराब लगता है। मेहंदी के रंग को गाढ़ा करने और लंबे समय तक इस रंग को बरकरार रखने के लिए इन आसान से घरेलू टिप्स को आजमाएं। जिनकी मदद से मेहंदी ना केवल गाढ़ी चढ़ती है बल्कि उसका रंग भी जल्दी नहीं उतरता है।

लौंग की भाप

लौंग को लोहे के तवे पर रखकर गर्म करने से जो भाप निकलती है। उसमे हाथ-पैर की सिंकाई करें। ऐसा करने से भी मेहंदी का रंग काला होने में मदद मिलती है और रंग कई दिनों तक चढ़ा रहता है।

सरसों का तेल

सरसों के तेल को मेहंदी सुखाने के बाद हाथों-पैरों पर लगाने से भी रंग गाढ़ा चढ़ता है और मेंहदी लंबे समय तक टिकी रहती है।

मेहंदी का तेल

मार्केट में आसानी से मेहंदी का तेल मिल जाता है। इस तेल को लगाने से भी मेहंदी का रंग गाढ़ा चढ़ता है और आसानी से नहीं छूटता। तो करवा चौथ पर या वेडिंग सीजन में हाथों पर मेहंदी सजाने वाली हैं तो रंग गाढ़ा करने के इन कमाल के टिप्स को जरूर आजमाकर देखें। मेहंदी का रंग लंबे समय तक टिका रहेगा।

विक्स लगाएं

काफी सारे मेहंदी आर्टिस्ट बताते हैं कि मेहंदी लगाने के बाद जब ये पूरी तरह से सूख जाए तो उसके ऊपर विक्स लगा लेनी चाहिए। विक्स में नीलगिरी का तेल जैसे इंग्रीडिएंट्स मौजूद होते हैं। जो मेहंदी के रंग को गाढ़ा करने में मदद करते हैं।

लगाएं पेनकिलर स्प्रे

कुछ मेहंदी आर्टिस्ट इस नुस्खे को आजमाते हैं और वोलिन जैसे पेनकिलर स्प्रे को मेहंदी सूखने के बाद स्प्रे करते हैं। जिससे मेहंदी का रंग गाढ़ा चढ़ता है।

खाने में बटर का इस्तेमाल करने से पहले जानें ये टिप्स

1) **हीट लेवल को देखें**- मक्खन के जलने के पीछे मुख्य कारणों में से एक बहुत ज्यादा हीट लेवल है। ऐसे में जब भी आप इसे इस्तेमाल करें तो अपने पैन को मध्यम आंच पर गर्म करें और फिर मक्खन डालें। मक्खन के पिघलते समय उसे देखते रहें। ज्यादा तेज आंच पर इसे न रखें क्योंकि मक्खन बहुत जल्दी भूरा हो सकता है और जल सकता है।

2) **तेल के साथ करें मिक्स** - इसे जलने से रोकने के लिए मक्खन को पिघलाने से पहले पैन में जरा सा तेल का डालें। तेल मक्खन को सुरक्षित रखने में मदद करता है और जलने से कुछ हद तक बचा सकता है। आप किसी भी वेजिटेबल ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं इससे स्वाद खराब नहीं होगा।

3) **मक्खन के रंग को देखें** - जैसे-जैसे मक्खन गर्म होता है, यह झाग बनने और भूरा होने लगता है। मक्खन के पिघलते समय उसके रंग और सुगंध पर कड़ी नजर रखें। जब मक्खन हल्के सुनहरे भूरे रंग का होने लगे, तो इसे आंच से उतारें।

अध्ययन के लिए लंबे समय तक ध्यान और एकाग्रता जरूरी

माता- पिता अकसर अपने बच्चों की इस आदत से परेशान रहते हैं कि एग्जाम टाइम में पढ़ने के लिए बैठते ही उनकी आंखों में नींद भर जाती है, लेकिन यही बच्चा घंटों टीवी या मोबाइल को बिना पलक झपकाए टकटकी लगाए देखता रहता है। अगर आपकी भी अपने बच्चे से यही शिकायत है,तो उसे बिना डांटे-मारे ये कुछ पेरेंटिंग टिप्स अपनाकर अपनी इस शिकायत को दूर कर सकते हैं। दरअसल, बच्चों का मन बेहद चंचल होता है। ऐसे में उनका पढ़ाई के बीच में से बार-बार उठना या ध्यान भटकाना स्वाभाविक होता है। उन्हें एक अच्छे अध्ययन के लिए लंबे समय तक ध्यान और एकाग्रता की आवश्यकता होती है। आइए आज के पेरेंटिंग टिप्स में जानते हैं बच्चे को पढ़ाई के बीच में नींद लेने से कैसे रोका जा सकता है।

बच्चे के नींद लेने के घंटों का एक रूटीन सेट करें

बच्चे के शरीर में ऊर्जा का स्तर अच्छा बनाए रखने के लिए सबसे पहले उसकी नींद का शेड्यूल तय करें। इसके लिए बच्चे का टाइम टेबल ऐसा बनाएं, जिसमें उसके उठने और सोने का एक निश्चित समय तय हो। ऐसा करने से बच्चे के शरीर की आंतरिक घड़ी को विनियमित करने में मदद मिलती है, जिससे बच्चे की नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है। बच्चे के साथ अपनाया गया ये उपाय पढ़ाई के दौरान उसे नींद आने की संभावना को कम कर सकता है।

नियमित समय पर ब्रेक लें

लंबे समय तक बिना ब्रेक लिए लगातार पढ़ने से बच्चे को मानसिक थकान और नींद आ सकती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए पोमोडोरो तकनीक का उपयोग करें। इस तकनीक में 25 मिनट तक अध्ययन करने के बाद 5 मिनट का ब्रेक लें। ब्रेक के दौरान बॉडी में एनर्जी लेवल बनाए रखने के लिए स्ट्रेच करें या घर का एक चक्कर लगाकर आ जाएं।

हेल्दी डाइट के साथ हाइड्रेटेड भी रहें

शरीर में पानी की कमी और अनहेल्दी भोजन करने से बच्चे को थकन महसूस हो सकती है। ऐसे में अध्ययन करते समय बीच-बीच में खूब पानी पिएं स्नैक्स में नट्स, फल या दही जैसी चीजों को शामिल करें। पढ़ने से पहले कभी भी कार्ब रिच फूड का सेवन ना करें। ऐसा भोजन करने से आपको सुस्ती और नींद आ सकती है।

जानें निगेटिव विचारों को कैसे करें दूर

हमारे मन में अक्सर अच्छे-बुरे ख्याल चलते रहते हैं, लेकिन क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो बुरे विचारों को खत्म करके सिर्फ अच्छे विचारों को अपने दिमाग में रखना चाहते हैं? तो आपको सद्गुरू की इस बात को मान लेना चाहिए। अपनी एक पुरानी वीडियो में सद्गुरी ने निगेटिव विचारों कों खत्म करने के बारे में बताया है।

क्या कहते हैं सदगुरू

कुछ लोग अपने दिमाग से निगेटिव विचारों को हटाकर सिर्फ पॉजिटिव विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करते हैं। हालांकि, सदगुरू का कहना है जब आप किसी चीज को जबरदस्ती करने की कोशिश करते हैं तो आप उसके बारे में कई गुणा ज्यादा सोचने लगते हैं। सदगुरु कहते हैं कि आप जिस चीज को अपनी लाइफ से मिटाना चाहते हैं वह आपकी क्वालिटी बन सकता है और आप फिर हमेशा उसके ही बारे में सोचेंगे।

दिमाग के काम करने के तरीके को समझें

सद्गुरु का मानना है कि अगर आप दिमाग से किसी भी चीज को निकालने की कोशिश करते हैं तो सबसे पहले दिमाग के काम करने के तरीके को समझें। उनका कहना है कि हमारे दिमाग में घटाने या फिर भाग करने जैसा कुछ नहीं है बल्कि सिर्फ जोड़ना और गुणा करना है। जब आप कुछ करने का सोचते हैं तो ये आपसे काम को एक बार और करने को कहेगा। अगर आप कड़ी मेहनत करेंगे तो यह और भी ज्यादा हो जाएगा। इस तरह के दिमाग के साथ आप ये नहीं पहचान पाएंगे की क्या निगेटिव है और क्या पॉजिटिव। इसके लिए आपको ये समझना होगा की ये दिमाग आपकी सेवा में है।

जीवन का करें अनुभव

सद्गुरु कहते हैं कि जब आप अपनी आंखें बंद करते हैं तो आप खुद को नहीं देख सकते हैं लेकिन इसका मतलब ये नहीं की आपका अस्तित्व खो नहीं जाता है। अपने भावनाओं और विचारों से परे भी आप मौजूद हैं। तो जो जीवन आप हैं उसका अनुभव करने की जरूरत है। वह कहते हैं कि जीवन का सबसे जरूरी पहलू ये हैं कि आप और मैं इस समय जीवित हैं।

सुबह की सैर स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी

सुबह की सैर हमारे शारीरिक,मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी मानी जाती है। यह एक साधारण क्रिया दिख सकती है, लेकिन इसके पीछे गहरे वैज्ञानिक और आध्यात्मिक कारण छिपे होते हैं। दोनों दृष्टिकोणों से सुबह की सैर की महत्ता को समझने के लिए आइए इसे विस्तार से जानें।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

वैज्ञानिक रूप से सुबह की सैर को स्वस्थ जीवनशैली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। सुबह के समय हवा शुद्ध होती है, जिसमें ऑक्सीजन का स्तर उच्च होता है और प्रदूषण कम होता है। यह हमारे श्वसन तंत्र के लिए बेहद लाभकारी होता है।

शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:

हृदय स्वास्थ्य : सुबह की सैर से हृदय की धड़कन सामान्य रहती है और रक्त संचार में सुधार होता है, जिससे हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

मांसपेशियों की मजबूती:

लगातार चलने से शरीर की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं, जो शारीरिक मजबूती और सहनशक्ति को बढ़ाती हैं।

मधुमेह और मोटापा:

नियमित रूप से सुबह की सैर करने से रक्त शर्करा का स्तर नियंत्रित रहता है और वजन घटाने में मदद मिलती है। यह मधुमेह और मोटापे जैसे रोगों के नियंत्रण में सहायक है।

मस्तिष्क पर प्रभाव:

सुबह की सैर से मस्तिष्क में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। यह अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में मदद करता है।

मन और मस्तिष्क के लिए लाभ:

सुबह की ताजी हवा में टहलने से मस्तिष्क में एंडोर्फिन जैसे रसायनों का स्राव होता है, जो "फील गुड" हार्मोन माने जाते हैं। यह तनाव को कम करने और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने में सहायक होता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि सुबह की सैर से नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है और मनुष्य की उत्पादकता बढ़ती है।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो सुबह की सैर न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करती है, बल्कि आत्मा और मन को भी शांति प्रदान करती है।

1. प्रकृति के साथ सामंजस्य:

सुबह का समय सबसे शांत और पवित्र माना जाता है। यह वह समय होता है जब सारा वातावरण शांत रहता है और प्रकृति अपनी पूरी सुंदरता में खिली होती है। सुबह की सैर के दौरान हम प्रकृति से जुड़ते हैं और उसके साथ एक गहरा संबंध स्थापित करते हैं। भारतीय योग और वेदों में बताया गया है कि प्रात:काल में सूर्योदय के समय चलना मन और आत्मा को शुद्ध करता है।

2. ध्यान और ध्यानपूर्वक चलना:

सुबह की सैर को ध्यान की एक क्रिया के रूप में भी देखा जा सकता है। जब हम शांत मन से चलने के दौरान अपनी श्वास-प्रश्वास पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो यह ध्यान की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। इससे व्यक्ति के विचारों की स्पष्टता बढ़ती है और मानसिक संतुलन प्राप्त होता है। आध्यात्मिक गुरुओं का मानना है कि सुबह की सैर से व्यक्ति अपने अंदर की शांति को पहचानने में सक्षम होता है।

3. आध्यात्मिक ऊर्जा का संग्रह:

भारत में प्राचीन काल से कहा गया है कि ब्रह्म मुहूर्त (सुबह 4 से 6 बजे के बीच का समय) आत्मा के शुद्धिकरण के लिए सबसे उपयुक्त होता है। इस समय वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिसे हम सुबह की सैर के दौरान ग्रहण कर सकते हैं। यह ऊर्जा दिनभर हमें शक्ति और स्फूर्ति प्रदान करती है।

सुबह की सैर के फायदों को समझने के बाद यह जानना भी आवश्यक है कि कितना पैदल चलना उचित होता है ताकि इसका अधिकतम लाभ मिल सके। विभिन्न अध्ययनों और विशेषज्ञों की राय के अनुसार, सुबह की सैर का सही तरीका और समय भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कितना पैदल चलना चाहिए?

1. समय और दूरी: स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, प्रतिदिन 30 से 45 मिनट की सैर पर्याप्त होती है। यह लगभग 3 से 5 किलोमीटर की दूरी तय करने के बराबर होता है, जो स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आदर्श मानी जाती है। शुरुआती दिनों में 15 से 20 मिनट तक चलने से शुरू करना ठीक होता है और धीरे-धीरे इसे बढ़ाकर 30-45 मिनट तक ले जाना चाहिए।

2. गति: सैर की गति भी महत्वपूर्ण होती है। मध्यम गति से चलना, यानी न बहुत तेज और न बहुत धीमी चाल, स्वास्थ्य के लिए सबसे लाभकारी माना जाता है। लगभग 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलना अच्छा होता है। इससे हृदय और श्वसन तंत्र पर बेहतर प्रभाव पड़ता है।

3. रोजाना सैर की आवृत्ति: सप्ताह में कम से कम 5 दिन सुबह की सैर करने की सलाह दी जाती है। इससे शरीर में एक नियमित दिनचर्या का विकास होता है, जो स्वास्थ्य के दीर्घकालिक लाभों के लिए आवश्यक है। हालाँकि, यह ध्यान रखना चाहिए कि अगर किसी व्यक्ति को किसी विशेष स्वास्थ्य समस्या (जैसे हृदय रोग, घुटने की समस्या) है, तो उन्हें डॉक्टर की सलाह से अपनी सैर की दिनचर्या तय करनी चाहिए।

4. व्यक्तिगत स्वास्थ्य के अनुसार सैर: किसी व्यक्ति की शारीरिक क्षमता, उम्र और स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर सैर का समय और दूरी बदल सकती है। वरिष्ठ नागरिकों या कमजोर लोगों को छोटी दूरी से शुरुआत करनी चाहिए और धीरे-धीरे इसे बढ़ाना चाहिए।

वहीं, युवा और स्वस्थ लोगों को थोड़ा और अधिक समय निकालने का प्रयास करना चाहिए ताकि उनका शरीर सही तरीके से फिट रहे।

अब मैं हर किरदार को करने में सक्षम हूं: रेजिना कैसेंड्रा

'जाट', 'साकिनी - डाकिनी' और 'केसरी चैप्टर-2' जैसी फिल्मों से लेकर 'रॉकेट ब्वॉयज' जैसी वैब सीरीज में अभिनय कर चुकी रेजिना कैसेंड्रा ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में गुजारे 20 सालों को बेहतरीन बताया है। उसके अनुसार सफर देखने में जितना हसीन है, दरअसल, वैसा था नहीं।

इसी साल उनकी दो बड़ी फिल्में 'केसरी चैप्टर-2' और 'जाट' रिलीज हुईं और दोनों में ही उसके किरदार एक-दूजे से एकदम जुदा थे। उसके अंदाज को इंडस्ट्री के फिल्मकार काफी पसंद करने लगे हैं।

अपने इस सफर को लेकर साऊथ की ब्यूटी रेजिना ने बताया, "मेरा फिल्मी सफर काफी शानदार रहा है। मुझे अलग- अलग भाषाओं में काम करने के मौके मिले हैं, इसके लिए मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। अब, जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे खुशी होती है लेकिन मेरे लिए यहां तक पहुंचना आसान नहीं था। कई बार मुझे खुद पर शक होता था कि मैं खुद को और दूसरों की उम्मीदों पर खरी भी उतर पाऊंगी कि नहीं। क्योंकि तब मैं बहुत छोटी थी, इसलिए मेरे लिए चीजें बिल्कुल अलग थीं।

उन्होंने बताया कि काफी समय तक उसे यह लगता रहा था कि काश उसका कोई मैटर होता, लेकिन फिर उसने खुद ही हर चीज सीखी और अपने अनुभवों से आगे बढ़ी।

रेजिना ने कहा, आज मैं अपने इस सफर के लिए बहुत आभारी हूं, जो मैं आज हूं। मेरे काम और उससे मिली चुनौतियों ने मुझे बेहतर इंसान बनाया। मैं हमेशा से एक ऐसी अभिनेत्री बनना चाहती थी जो हर तरह का किरदार निभा सके चाहे वह 'गर्ल नैक्स्ट डोर' (पड़ोस की लड़की), भोली-भाली, साइको, ड्रग एडिक्ट, लैस्बियन गर्ल या कोई और रोल हो।

उन्होंने कहा, "मैं हर किरदार निभाना चाहती हूं। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे किसी एक तरह के रोल में बांधा नहीं गया और इसी वजह से मैं खुद को और बेहतर कलाकार बना पाई हूं। यह सब इस पर भी निर्भर करता है कि प्रोजैक्ट और सैटअप कैसा है। वहां का माहौल शांत है या फिर बहुत उलझा हुआ है। आप इसे सिर्फ भाषा के आधार पर नहीं बांट सकते। हालांकि, साऊथ के डायरैक्टर्स ज्यादातर रिलेटेबल स्टोरी बनाना पसंद करते हैं जबकि बॉलीवुड में अभिनेताओं को स्टार बनाने पर ज्यादा फोकस किया जाता है।

पूरा किया 'द वाइव्स' का पहला शैड्यूल

रेजिना ने हाल ही में वैब सीरीज 'द वाइव्स' की शूटिंग की है। उसने इस बारे में बात करते हुए कहा, वैब सीरीज 'द वाइव्स' के पहले शैड्यूल को पूरा करना मेरे लिए एक रोलर-कोस्टर जैसा अनुभव रहा है। पिछले एक महीने से मैं हिंदी और तमिल के बीच संतुलन बना रही हूं। एक सफल शैड्यूल से दूसरे की ओर बढ़ रही हूं। जहां बॉलीवुड में मैं मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' कर रही हूं, वहीं कोलिवुड (तमिल सिनेमा) में सुंदर सी. के साथ 'मूकुथी अम्मन 2' की शूटिंग कर रही हूं। मुझे अलग-अलग दुनियाओं के बीच आना-जाना पसंद है। यही वह जिंदगी है जो मैंने अपने लिए चाही थी। मैं अपने सपने को जी रही हूं।

मैं हर किरदार निभाना चाहती हूं। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे किसी एक तरह के रोल में बांधा नहीं गया

यहां पर कुछ भी मुफ्त में नहीं मिलता : कृति सेनन

फिल्म 'हीरोपंती' से अपने करियर की शुरूआत करने से लेकर 'मिमी' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने तक कृति सेनन की फिल्मी यात्रा बिल्कुल आसान नहीं थी। फिल्मों में आने से पहले कृति का सपना कभी एक्ट्रैस बनने का नहीं था। उसने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और इसके बाद मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। यही मॉडलिंग उसके लिए फिल्मों का रास्ता बनी।

2014 में फिल्म 'हीरोपंती' से कृति ने टाइगर श्रॉफ के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और उसको इंडस्ट्री में पहचान दिलाई। इसके बाद उसने कई कमर्शियल रूप से सफल फिल्मों में काम किया और धीरे- धीरे अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया। उसकी जिंदगी का टर्निंग प्वॉइंट फिल्म 'मिमी' (2021) बनी, जिसमें उसने सरोगेट मां का किरदार निभाया। इस रोल के लिए उसे राष्ट्रीय फिल्म अवार्ड से सम्मानित किया गया।

आऊटसाइडर होने का संघर्ष

हाल ही में एक इवेंट में कृति ने बताया कि एक आऊटसाइडर (गैर-फिल्मी परिवारों से आने वाले) के लिए यहां टिके रहना आसान नहीं है। उसने कहा, 'अगर आप फिल्मों में करियर बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें जुनून होना चाहिए। कुछ भी आपको थाली में सजाकर या मुफ्त में नहीं मिलने वाला। इस इंडस्ट्री में कोई शॉर्टकट नहीं है। मेहनत करनी पड़ती है और सबसे बड़ी बात है कि आपको हार नहीं माननी चाहिए। खासकर तब, जब आप फिल्मी परिवार से नहीं आते। कोई भी आपको आसानी से मौका नहीं देगा ।

लोग सिर्फ आपकी कमियां गिनवाएंगे

उन्होंने बताया, "ऐसे समय भी आते हैं जब लोग आपके बारे में नकारात्मक बातें कहेंगे। लोग कहेंगे कि आप बहुत छोटे हैं, बहुत लंबे हैं, बहुत पतले हैं, या आपका शरीर सही शेप में नहीं है। लोग आपको सिर्फ आपकी कमियां गिनवाएंगे लेकिन यह कोई नहीं कहेगा कि 'तुम कर सकते हो ' - सिवाय खुद आपके, इसलिए खुद पर विश्वास करना बहुत जरूरी है ।'

जरूरी है धैर्य और मेहनत

कृति ने कहा कि फिल्मों में करियर बनाने के लिए सबसे जरूरी है धैर्य और मेहनत । उसने समझाया, आपको मजबूत रहना होगा । सही समय पर मौका जरूर मिलेगा, लेकिन तब तक खुद पर काम करते रहना जरूरी है। अगर फिल्म मिलने में समय लग रहा है तो इसे नैगेटिव न लें। यह सोचें कि यह समय आपको खुद को बेहतर बनाने के लिए मिला है। जब सही समय आएगा तो सब कुछ अपने आप होगा।

मुंबई में खरीदी करोड़ों की प्रॉपर्टी

हाल में ही कृति ने मुंबई के बांद्रा में करोड़ों में एक आलीशान सी - फेसिंग डुप्लैक्स पैंटहाऊस खरीदा। उसने बताया कि प्रॉपर्टी में निवेश करना भी एक जरूरी पार्ट है। हमेशा रैंट पर रहना सही नहीं ।

जब उसके पेरैंट्स भी मुंबई में शिफ्ट हुए तो उन्हें बड़े घर की जरूरत हुई। कृति ने कहा कि वह उनमें से एक है जिनके लिए फैमिली बहुत जरूरी है। घर बार-बार नहीं बसाए जाते, इसलिए वह एक बार में ही अपने घर को सजाना और संवारना चाहती थी।

फिटनेस पर भी बोली

आजकल की प्रैशर भरी जिंदगी में फिटनैस कितना जरूरी है, इसे लेकर कृति ने कहा कि आजकल महिलाओं के लिए यह बहुत जरूरी है, क्योंकि औरतें बहुत बिजी और ढेर सारी जिम्मेदारियों के बीच घिरी रहती हैं । ऐसे वे खुद के लिए समय ही नहीं निकाल पाती हैं। बेशक वे योग करें या फिर सैर, मगर खुद के लिए समय निकालें और फिटनैस पर 45 मिनट से 1 घंटे तक जरूर देना चाहिए।

उसने बताया कि वह अपनी मां को भी एक्सरसाइज के लिए कहती है। इतना ही नहीं, उनसे सैर करने का सबूत भी मांगती है कि तस्वीर भेजिए कि वह रोजाना 10 हजार कदम चल रही हैं या नहीं ।

हालिया काम और आने वाली फिल्में

कृति पिछली बार थ्रिलर फिल्म 'दो पत्ती' (2024) में नजर आई। इसमें उसने दोहरी भूमिका निभाई और बतौर निर्माता भी डेब्यू किया। गत वर्ष वह करीना कपूर खान और तब्बू के साथ फिल्म 'क्रू' और शाहिद कपूर के साथ रोमांटिक ड्रामा 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया" में भी दिखाई दी थी। आगे कृति के पास कई बड़ी फिल्में हैं- 'तेरे इश्क में ' (निर्देशक आनंद एल. राय) 28 नवम्बर को रिलीज होगी, जिसमें वह धनुष के साथ दिखाई देगी। निर्देशक होमी अदजानिया की फिल्म 'कॉकटेल 2' की शूटिंग जल्द शुरू होगी।

गौहर खान ने किया अपनी डाइट का खुलासा

गौहर खान इन दिनों अपनी सैकेंड प्रैग्नेंसी को लेकर सुर्खियों में है। जल्द ही वह अपने दूसरे बच्चे को जन्म देगी। इसी बीच पिछले दिनों गौहर खान ने अपने पॉडकास्ट की भी शुरुआत की, जिसमें वह अलग-अलग सैलिब्रिटीज से चर्चा करती नजर आ जाती है। उसने 2023 में अपने पहले बच्चे को जन्म दिया था, जिसका नाम उसने जेहान रखा। बेटे के जन्म के कुछ दिनों के अंदर ही गौहर फैट से फिट हो गई और अपने ट्रांसफॉर्मेशन से सबको चौंका दिया। अब उसने अपनी पहली प्रैग्नेंसी के दौरान अपने बढ़े वजन और फिर वेट लॉस को लेकर खुलकर बात की और बताया कि उसने 10 दिनों के अंदर ही 10 किलो वजन कम कर लिया था ।

कैसे घटाया वजन

गौहर ने हाल ही में एक्ट्रैस देबीना बनर्जी के पॉडकास्ट में कई शॉकिंग खुलासे किए और बताया कि कैसे उसने 1-2 चीजों के सहारे अपना वजन कम किया ।

गौहर ने कहा, मैं डाइट के दौरान हरी सब्जियां और सूप लेती हूं । खाने के मामले में मैं अपने मुंह को ज्यादातर बंद रखने की ही कोशिश करती हूं। मैं खा तो प्रॉपर रही थी, लेकिन खाने में सिर्फ सलाद, सूप और हरी सब्जियां ही ले रही थी ।

इन चीजों से कर ली तौबा गौहर

आगे कहती है, "अपनी वेट लॉस जर्नी के दौरान मैंने नॉन वैज खाना छोड़ दिया था । मटन मेरा फेवरेट है, लेकिन मैं वह भी नहीं खाती थी क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा कैलोरीज होती हैं। मेरे पास न तो कोई महंगा जिम ट्रेनर था और न ही कोई महंगी डाइट फॉलो की । मैंने बिना किसी महंगे न्यूट्रिशन प्लान के वजन कम किया। मेरे दिमाग बस यह बात थी कि मुझे फिर से स्क्रीन पर आना है और इसलिए मैं इन सब चीजों को हल्के में नहीं ले सकती ।

बेटे को 6 महीने अपना दूध पिलाया

गौहर ने डिलीवरी के बाद के अपने 6 महीने याद करते हुए कहा, " मैंने 6 महीने तक अपने बेटे जेहान को ब्रेस्टफीड कराया था लेकिन, मैं पूरी तरह उसे ब्रेस्टफीडिंग नहीं करा रही थी, उसे फॉर्मूला मिल्क भी देती थी। मैंने उस दौरान सामान्य खाना खाया, बस अपनी डाइट में फैट, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का ध्यान रखती थी। इन दिनों वह अपनी प्रैग्नेंसी के आखिरी फेज को खूब एंजॉय कर रही है।

अंजली राघव कौन हैं? पवन सिंह संग विवाद के बाद सुर्खियों में आईं मशहूर हरियाणवी एक्ट्रेस

एक्ट्रेस अंजलि राघव का भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह संग विवाद हो गया है. दरअसल, हाल ही में अंजलि ने पवन सिंह के संग एक स्टेज शो किया. इस दौरान पवन सिंह अपना कंट्रोल खो बैठे और उन्होंने अंजलि राघव के कमर पर उंगलियां फेर दीं. इससे अंजलि काफी ज्यादा अनकंफर्टबल हो गईं.

अंजलि के मना करने के बाद भी पवन सिंह अपनी हरकतों से बाज नहीं आए. सोशल मीडिया पर जैसे ही ये वीडियो वायरल हुई, लोगों ने पवन सिंह को ट्रोल करना शुरू कर दिया. अब ऐसे में बहुत से लोग जानना चाहते हैं कि आखिर ये अंजलि राघव हैं कौन? तो चलिए इस आर्टिकल के जरिए जानते हैं...

कौन हैं अंजलि राघव

अंजलि राघव हरियाणवी डांसर, एक्ट्रेस और मॉडल हैं. उन्होंने कई सुपरहिट हरियाणवी म्यूजिक एल्बम में काम किया है. 'चंद्रवाल देखूंगी' और 'गिरे ये आंसू' जैसे म्यूजिक वीडियो से अंजलि को खूब पॉपुलैरिटी मिली. एक्ट्रेस का जन्म 6 जून 1992 में दिल्ली में हुआ था. बचपन से ही उन्हें सिंगिंग और डांसिंग का बेहद शौक था.

सिंगर दीलिप खारकिया संग जुड़ता है नाम

अंजलि ने 2018 में अपना पहला लाइव डांस किया था. उन्हें बेस्ट फीमेल मॉडल हरियाणा के खिताब से भी नवाजा जा चुका है. अंजलि अभी अनमैरिड हैं. रिपोर्ट के अनुसार अंजलि का नाम अक्सर सिंगर दीलिप खारकिया से जुड़ता रहता है. ऐसा कहा जाता है कि दोनों डेट कर रहे हैं.

पिता और मां की हो चुकी है मौत

हालांकि, अंजलि ने कभी ऑफिशियल तौर पर कुछ भी नहीं कहा. एक इंटरव्यू में अंजलि ने बताया था कि जब वो कॉलेज में पढ़ाई कर रही थीं उसी दौरान उनके पिता की दोनों किडनियां फेल होने की वजह से मौत हो गई. इतना ही नहीं बल्कि पिता की मौत से छह महीने पहले एक्ट्रेस की मां का ब्रेम हेमरेज से निधन हो गया था.

मजबूरी में किया म्यूजिक इंडस्ट्री की तरफ रुख

अब उनके घर में सिर्फ दो बड़ी बहनें शिखा राघव और शिवानी राघव और भाई कमल राघव ही बचे थे. अंजलि ने बताया था कि वो टीचर बनना चाहती थीं लेकिन ना चाहते हुए भी उन्हें हरियाणा म्यूजिक वीडियो इंडस्ट्री की तरफ रुख करना पड़ा. इससे पढ़ाई और पिता के इलाज का खर्च निकल जाया करता था.

बता दें अंजलि राघव बॉलीवुड फिल्म तेवर में छोटी सी भूमिकि में नजर आ चुकी हैं. इसके अलावा वो कैरी-रिश्ता खट्टा मीठा नाम के सीरियल में भी काम कर चुकी हैं.बता दें हाल ही में अंजलि की पवन सिंह के संग म्यूजिक वीडियो 'सइयां सेवा करे' रिलीज हुई है.

नोएडा में रक्षा उपकरण एवं इंजन टेस्ट फैसिलिटी का लोकार्पण

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में नोएडा की बढ़ती भूमिका : राजनाथ सिंह

यूपी को बनाना है डिफेंस हब : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी रक्षा उत्पादन का नया केंद्र बन रहा है और नोएडा को डिफेंस हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि पहले भारत को रक्षा उपकरणों के लिए दुनिया पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब अत्याधुनिक ड्रोन और इंजन टेस्ट फैसिलिटी के जरिए देश आत्मनिर्भर बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शस्त्र और शास्त्र के समन्वय से ही राष्ट्र शक्तिशाली बनता है। उन्होंने बताया कि यूपी में पहले से 9 ऑर्डिनेंस फैक्ट्री और 4 डिफेंस पीएसयू काम कर रहे हैं। अब ब्रह्मोस मिसाइल केंद्र लखनऊ, डीडीएल केंद्र झांसी और एके-203 राइफल निर्माण अमेठी जैसे प्रोजेक्ट यूपी की पहचान को और मजबूत बना रहे हैं।

नोएडा(चेतना मंच)। नोएडा सेक्टर-81 स्थित रेफी एम फाइबर प्राइवेट लिमिटेड में आज भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अत्याधुनिक रक्षा उपकरण एवं इंजन टेस्ट फैसिलिटी का लोकार्पण किया। इस मौके पर आयोजित ड्रोन प्रदर्शनी ने भी सबका ध्यान आकर्षित किया।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रेफी एम फाइबर की यह इकाई देश की सबसे बड़ी रक्षा उपकरण और ड्रोन निर्माण यूनिट है। उन्होंने बताया कि यह कंपनी 2017 में केवल 10 सदस्यों के साथ शुरू हुई थी और आज इसमें 600 से अधिक युवा इंजीनियर कार्यरत हैं। आने वाले समय में यह इकाई 5000 से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का मजबूत स्वरूप अब नोएडा में भी दिखाई दे रहा है।

रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि इस मिशन ने दुनिया को दिखा दिया कि संकल्प, साहस और विज्ञान से असंभव भी संभव हो सकता है। उन्होंने जोर दिया कि 21वीं सदी में वही राष्ट्र विश्व शक्ति बनेंगे जो नवाचार, तकनीक और संस्कृति का समन्वय करेंगे।

इस अवसर पर कंपनी के चेयरमैन विकास मिश्रा ने कहा कि वर्ष 2030 तक कंपनी का लक्ष्य ऐसे उपकरण और तकनीक विकसित करना है जिससे भारत को विदेशों से फाइटर प्लेन खरीदने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कंपनी हर महीने 150 से अधिक हाई-एल्टीट्यूड लॉजिस्टिक्स ड्रोन और 300 छोटे यूएवी का उत्पादन कर रही है।

इस अवसर पर सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, नोएडा विधायक पंकज सिंह, दादरी विधायक तेजपाल नागर, विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, रक्षा सचिव राजेश कुमार, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी मेधा रूपम सहित रक्षा एवं प्रशासनिक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली का शातिर बदमाश मुठभेड़ में घायल

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली के कश्मीरी गेट, शास्त्री पार्क और सीलमपुर इलाके में अपराधिक वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर बदमाश को नोएडा पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। इसके पास से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस तथा एक जिंदा कारतूस के अलावा चोरी की एक बाइक बरामद की गई है।

थाना सेक्टर-24 पुलिस द्वारा सेक्टर-54 नोएडा में एलिवेटिड रोड के नीचे चेकिंग की जा रही थी, तभी सामने से मोटरसाइकिल पर सवार 1 व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को रुकने का इशारा किया गया तो मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति द्वारा अपनी मोटरसाइकिल वापस मोड़कर शमशान घाट की ओर भगाने लगा।

पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति का पीछा किया गया तो मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई व मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति जंगल की तरफ भागने का प्रयास करने लगा। बदमाश द्वारा अपने आप को घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। जवाबी कार्रवाई में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान बादल पुत्र जीवन निवासी जे-ब्लॉक, न्यू सीलमपुर, दिल्ली, उम्र 25 वर्ष के रूप में हुई है।

टैम्परेड ग्लास यूनिट का उदघाटन, 25 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में टैम्परेड ग्लास मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का उद्घाटन केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया, जिसमे ढाई करोड़ टेम्परेड ग्लास हर साल बनेंगे और 25 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।

नोएडा के सेक्टर-68 स्थित ऑप्टिमस इंफ्राकॉम लिमिटेड के टैम्परेड ग्लास मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का उद्घाटन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी के केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने किया। कॉर्निंग द्वारा निर्मित टेम्पर्ड ग्लास बनाने वाला ये भारत का पहला संयंत्र है, अब तक टेम्परेड ग्लास इंपोर्ट होते थे। मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत इनका निर्माण अब भारत में किया जाएगा।

इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत पिछले 11 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग देश में बहुत बड़ी मात्रा में बढ़ी है। इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्शन करीब छह गुना बढ़ा है। इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट्स करीब आठ गुना बढ़ा है। इन 11 वर्षों में एक-एक करके चाहे मोबाइल हो, लैपटॉप हो, सर्वर्स हो, हार्डवेयर के दूसरे कॉंपोनेंट्स हो, रूटर्स हो, उन सब की मैन्युफैक्चरिंग भारत में स्टार्ट हुई है।

केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा आज जो मोबाइल फ़ोन में यूज़ होने वाला टेम्पर्ड ग्लास कवर होता है, उसके मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का उद्घाटन किया गया है अब तक टेम्पर्ड ग्लास इंपोर्ट होते थे, इस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के शुरू होने से ढाई करोड़ टेम्परेड ग्लास भारत में बनेंगे लगेंगे. और 25 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा. स्टेप ब्य स्टेप पूरे देश में इलेक्ट्रॉनिक्स का एक पूरा इकोसिस्टम बनता जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में, जिसमें लैपटॉप सर्वर्स, मोबाइल फोन्स, रूटर्स ये सब चीजें मिला के बहुत बड़ा एक इकोसिस्टम इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का देश में बन रहा है

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार पर एमिटी में कार्यशाला

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ रिहेबिलिटेशन साइंसेस द्वारा "ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले वयस्कों के लिए सकारात्मक व्यवहार समर्थन" विषय पर दो दिवसीय का राष्ट्रीय स्तर का सीआरई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा संजीव बंसल, एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ रिहेबिलिटेशन साइंसेस के वरिष्ठ निदेशक डा एस के श्रीवास्तव और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ रिहेबिलिटेशन साइंसेस की निदेशक डा जयंती पुजारी द्वारा किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में दिल्ली, यूपी, आंध्रप्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों से लगभग 235 प्रतिभागीयों ने हिस्सा लिया।

एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा संजीव बंसल ने संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी प्रतिभागी जीवन में बेहतरीन कार्य कर रहे है और सच्चे मायनों में आप सभी एक बराबर है का संदेश फैला रहे है। सकारात्मक मनोविज्ञान के दृष्टिकोण का उपयोग करके हम उन लोगों को मुख्यधारा में ला सकते है जो किसी कारण से पीछे रह जा रहे है। डा बंसल ने कहा कि यह कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण है और इससे प्रतिभागियों को ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार से पीड़ित लोगों के सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक व्यवहार समर्थन के सिद्धांतों को लागू करने के व्यावहारिक कौशल प्राप्त होंगे।

एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ रिहेबिलिटेशन साइंसेस के वरिष्ठ निदेशक डा एस के श्रीवास्तव ने कहा कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उददेश्य सकारात्मक व्यवहार समर्थन को एक साक्ष्य-आधारित, व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण के रूप में समझना और इसे पारंपरिक व्यवहार प्रबंधन तकनीकों से अलग करना। ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार से ग्रस्त वयस्कों में चुनौतीपूर्ण व्यवहारों के अंतर्निहित कारणों का पता लगाने के लिए कार्यात्मक व्यवहार आकलन में अंतर्दृष्टि प्राप्त करना है।

इसके अतिरिक्त. सकारात्मक व्यवहार समर्थन के मूलभूत सिद्धांतों को समझना, जिनमें समावेशन, विकल्प, भागीदारी और अवसर की समानता शामिल है, और यह समझना भी कि ये ऑटिज्म से ग्रस्त वयस्कों पर कैसे लागू होते हैं शामिल है।

एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ रिहेबिलिटेशन साइंसेस की निदेशक डा जयंती पुजारी ने कहा कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार एक मस्तिष्क कार्यप्रणाली का अंतर है जो दूसरों के साथ संवाद करने, सीखने और व्यवहार करने को प्रभावित करता है। ऑटिस्टिक होने का मतलब यह नहीं है कि आपको कोई बीमारी है। इसका मतलब है कि आपका दिमाग दूसरे लोगों से अलग तरीके से काम करता है। ऑटिज्म के साथ कइ भ्रांतिया भी है जैसे ऑटिज्म एक बचपन की स्थिति है जबकी ऐसा नही है, द्वितीय- ऑटिज्म एक सीखने की अक्षमता है यद्यपि ऑटिस्टिक व्यक्तियों में सीखने संबंधी अक्षमताएं एक साथ मौजूद हो सकती हैं, लेकिन वे एक ही बात नहीं हैं। तृतीय-ऑटिज्म एक पुरुष रोग है किंतु ऑटिज्म सिर्फ़ पुरुषों की बीमारी नहीं है महिलाओं की तुलना में पुरुषों में ऑटिज्म का निदान ज़्यादा होता है। उन्होनें कहा कि इसके अतिरिक्त कई मिथक है जिनको समझना और लोगो को जागरूक करना आवश्यक है।

इस अवसर पर दो विशेष राजदूत एमिटी विश्वविद्यालय के छात्र अमीन नकवी और सनराइज लर्निंग सेंटर नोएडा के छात्र श्री ओजस श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखे। तकनीकी सत्रों में एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ बिहेवियर हेल्थ एंड एलाइड सांइसेस की सहायक प्रोफेसर डा दीपिका श्रीवास्तव, सुश्री निष्ठा कुमार ने "विचार से कार्य तक-एएसडी से पीड़ित वयस्कों के परिवारों और शिक्षकों को सकारात्मक व्यवहार सहायता प्रदान करने में शामिल करना" विषय पर, समरविले स्कूल के विशेष शिक्षा सेंटर की प्रमुख डा डायना लिल फिलिप ने "एएसडी से ग्रस्त वयस्कों में इकोलिया, अप्रासंगिक हँसी/खिलखिलाहट को नियंत्रित करना" पर व्याख्यान दिया।

ईशान कालेज के 31वें स्थापना दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्रथम स्थापित कालेज ईशान एजूकेशनल इन्स्टीट्यू, का 31वां स्थापना दिवस आज बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा0 (ब्रिगेडियर) राकेश कुमार गुप्ता, निदेशक जिम्स गौतमबुद्व नगर को कालेज के चेयरमैन डा0 डी0के0 गर्ग द्वारा सम्मानित किया गया। इसी क्रम में अन्य 12 गणमान्य व्यक्तियों का विभिन्न क्षेत्रों में किये गये समाजिक कार्य एवं उनकी उपलब्धियों के लिये सम्मानित किया गया। कालेज के निर्माण में लगे हुये 15 श्रमिकों तथा कर्मठ शिक्षको एवं कर्मचारियो को भी संस्थान की तरफ से

सम्मानित किया गया। इसी क्रम में छात्रों को उनके एक वर्ष के शैक्षणिक रिकार्ड जैसे कक्षा में उपस्थिति, परीक्षा में अच्छे मार्क्स, कालेज के सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यक्रमों में प्रतिभागिता, अनुशासन आदि में विशेष पुरस्कार द्वारा कालेज के प्राचार्य एवं गणमान्य लोगो द्वारा पुरस्कृत किया गया। कालेज के 31वें स्थापना दिवस के अवसर पर लकी ड्रा के माध्यम से 20 छात्र एवं छात्राओं को विदेश टूर हेतु चयन किया गया। ये छात्र छात्रायें कालेज की तरफ से निशुल्क विदेश टूर पर भेजे जायेगें।